नई दिल्ली। शनिवार, 05 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 240/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारत की अंडर-18 रग्बी टीम घोषित...
@ विचार शिक्षक : केवल पढ़ाने वाला नहीं; भविष्य गढ़ने वाला...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लगातार चार सत्रों की गिरावट...

विश्व केसरी खबर झरोखा

दिल्ली के श्री राम कॉलेज में आज पीएम मोदी छात्रों से करेंगे संवाद

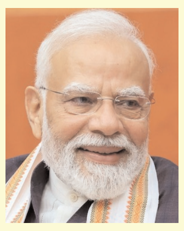

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 सितंबर को शाम 7 बजे दिल्ली के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री सभा को संबोधित भी करेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय का श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, भारत के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है और कॉमर्स, इकोनॉमिक्स और मैनेजमेंट के क्षेत्रों में शिक्षा का एक प्रतिष्ठित केंद्र है। मशहूर उद्योगपति और समाजसेवी सर श्री राम द्वारा 1926 में स्थापित इस कॉलेज ने एक सदी के दौरान विद्वानों, पेशेवरों, प्रशासकों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और राष्ट्र निर्माताओं की कई पीढ़ियों को तैयार किया है।

एयर इंडिया ने फुकेत-दिल्ली उड़ान के 'पायलट-इन-कमांड' को बर्खास्त किया

एयर इंडिया ने 4 अगस्त की फुकेत-दिल्ली उड़ान के अचानक से ऊंचाई खोने के मामले में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए उड़ान के 'पायलट-इन-कमांड' को नौकरी से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। एयर इंडिया की ओर से यह कदम विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की उस रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें मुख्य पायलट (पायलट-इन-कमांड) का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने और विमान की अचानक ऊंचाई में कमी आने को 'गंभीर चिंता' का विषय बताया गया था।

अंतरराष्ट्रीय भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा रायपुर पहुंचे, हुआ स्वागत

रायपुर में गुढ़ियारी के अवधपुरी मैदान में 5 सितंबर को आयोजित होने वाले विशाल दही हांडी उत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। आयोजन में भजन संध्या की प्रस्तुति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा शुक्रवार को रायपुर पहुंच गए हैं। लखबीर सिंह लक्खा के रायपुर पहुंचने के साथ ही आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और भजन प्रेमियों में उत्साह बढ़ गया है। वे 5 सितंबर को आयोजित होने वाले भव्य दही हांडी उत्सव में अपनी लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस बार कार्यक्रम को भव्य स्वरूप दिया गया है। दही हांडी उत्सव में पुरुष दही हांडी, महिला दही हांडी और ग्रीसयुक्त खंभा दही हांडी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही प्रसिद्ध गायक B Praak और छत्तीसगढ़ की लोक गायिका गरिमा स्वर्णा दिवाकर की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। आयोजन समिति के संयोजक बसंत अग्रवाल ने बताया कि 5 सितंबर को अवधपुरी मैदान में होने वाले इस आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। धार्मिक उत्साह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दही हांडी प्रतियोगिताओं के संगम के बीच शहरवासियों को भव्य कार्यक्रम देखने को मिलेगा।

पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के सामने सीजेपी का प्रदर्शन

'सरकार को दलितों, कमजोर वर्ग, महिलाओं और अल्पसंख्यकों से नफरत क्यों है : पप्पू यादव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता संजय आजाद के साथ मारपीट के मामले को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन शुरू हो गया है। दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता और बड़ी संख्या में समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव भी शामिल हुए। सीजेपी के लोग बड़ी संख्या में वहां पहुंचे हैं।

प्रदर्शन में पहुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'सरकार को दलितों, कमजोर वर्ग, गरीबों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों से इतनी नफरत क्यों है? क्या वे संविधान और लोकतंत्र से ऊपर हैं? उन्होंने खुद को संविधान से ऊपर मान लिया है। वे हमेशा बेटियों पर अत्याचार करते हैं, चाहे वह मणिपुर की बेटी हो या दिल्ली की। उनके गुंडे कहते हैं, 'मैं मंत्री के साथ हूं, मंत्री मेरा भाई है। मैंने किसी को पीटा है, 62 टांके आए हैं, और फिर मारूंगा।' क्या आप इसे आतंकवादियों का देश बनाना चाहते हैं? फिर कोई भी बच्ची घर से बाहर नहीं निकल पाएगी।' वहीं, इंडियन यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई को लेकर जानकारी दी।

उन्होंने कहा, 'पहली बात, इस एफआईआर में एससी/एसटी एक्ट जोड़ा गया है। दूसरी बात, इसमें आईपीसी की धारा 308 के अलावा, 308 के अलावा 307 जोड़ने के लिए मेडिकल ओपिनियन ली जा रही है। मेडिकल ओपिनियन के लिए डॉक्टरों से बात करना जरूरी है, आज राजपत्रित अवकाश होने के कारण डॉक्टर अभी उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन आज के अंदर ही वे इसे फाइनल कर देंगे।'

इसरो ने जीएसएलवी-एफ-17 से लॉन्च किया नया सैटेलाइट, भारत को मिली मजबूती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने अंतरिक्ष से अपनी निगरानी क्षमता को एक नई ताकत दे दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी ISRO ने GSLV-F17 रॉकेट के जरिए EOS-05 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की ओर रवाना किया है। यह मिशन इसलिए खास है क्योंकि भारत को पहली बार जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से लगातार तस्वीरें लेने की क्षमता मिलने जा रही है। GSLV रॉकेट को उसके शुरुआती मिशनों में आई तकनीकी चुनौतियों और कुछ विफलताओं के कारण अनौपचारिक रूप से 'नॉटी बॉय' कहा जाता रहा है। लेकिन अब यही नॉटी बॉय भारत की आंख बनकर अंतरिक्ष में एक बेहद महत्वपूर्ण सैटेलाइट पहुंचा चुका है।

4 सितंबर 2026 को सुबह 2:55 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से GSLV-F17 ने EOS-05 को लेकर उड़ान भरी। ISRO के अनुसार मिशन ने EOS-05 को निर्धारित सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया। EOS-05 भारत का पहला ऐसा इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से पृथ्वी की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

आखिर 'नॉटी बॉय' नाम क्यों पड़ा?

GSLV भारत के सबसे महत्वपूर्ण लॉन्च व्हीकल में शामिल है, लेकिन इसके सफर में कई तकनीकी उतार-चढ़ाव आए हैं। खासतौर पर क्रायोजेनिक तकनीक से जुड़े शुरुआती मिशनों में चुनौतियों के कारण इस रॉकेट को अंतरिक्ष जगत में मजाकिया अंदाज में 'नॉटी बॉय' कहा जाने लगा। वर्ष 2021 में GSLV-F10 मिशन के दौरान EOS-03 सैटेलाइट को निर्धारित कक्षा में पहुंचाने का प्रयास सफल नहीं हो पाया था। क्रायोजेनिक स्टेज में आई समस्या के कारण मिशन अधूरा रह गया था। अब पांच साल बाद इसी क्षमता को नई ताकत के साथ हासिल करने के लिए EOS-05 मिशन को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

EOS-05 यानी GISAT-1A की सबसे बड़ी ताकत इसकी कक्षा है। यह पृथ्वी से लगभग 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई वाली जियोसिंक्रोनस कक्षा से काम करेगा।

नेपाल बाढ़: 10 दिन से नींद और भूख खत्म, मन में थी घबराहट

जिंदा मिले लोगों के परिजनों ने बताई आपबीती

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल में आई बाढ़ के बाद लापता लोगों के परिवार अब भी अपनों के सुरक्षित मिलने की आस लगाए बैठे हैं। इन्हीं लोगों में से एक है कबीर महाजन का परिवार। कबीर के परिवार को बीते 10 दिनों से उसके लौटने का इंतजार था। शुक्रवार को बचावकर्मियों ने उसे सुरंग से सुरक्षित निकाल लिया।

कबीर के छोटे भाई आमिर महाजन ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि 10 दिन से लापता मेरे बड़े भाई को बचा लिया गया। परिवार में जो खुशी आई है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।'

परिवार ने बताया कि कबीर महाजन के लापता होने के बाद वे मुश्किल से सो पाए। घंटों तक टीवी रिपोर्ट, सोशल मीडिया पोस्ट और कई स्रोतों से आ रही अपडेट्स को देखते हुए उनकी भूख भी मर गई थी। वे लगातार सोचते रहे कि क्या उन्हें कबीर के बारे में कोई खबर मिलेगी। हालांकि शुक्रवार को यह इंतजार खत्म हो गया। सुबह करीब 8:30 बजे वो खबर आ गई जिसका पूरा परिवार बेसब्री से इंतजार कर रहा था।

बचाए गए व्यक्ति को इलाज के लिए काठमांडू की छावनी स्थित नेपाल आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया। फिलहाल कबीर का पूरा परिवार उनकी एक झलक ही देख पाया। छोटे भाई ने कहा, 'हमने उन्हें अस्पताल के अंदर ले जाते समय थोड़ी देर के लिए देखा। उनकी हालत ठीक लग रही है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और हम बाहर इंतजार कर रहे हैं।'

परिवार की यह कठिन घड़ी 26 अगस्त को त्रिशूली और भोटेकोशी नदी के इलाकों में आई भीषण बाढ़ के साथ शुरू हुई थी। छोटे भाई ने बताया कि आपदा से ठीक एक दिन पहले ही उनकी कबीर से बात हुई थी।

उन्होंने कहा, 'उसके बाद के 10 दिन हमारे लिए बेहद दर्दनाक और अनिश्चितता भरे थे। हमारी नींद और भूख दोनों उड़ गई थीं। हम मीडिया, फेसबुक और कई स्रोतों से जानकारी और अपडेट के लिए लगातार देखते रहे, सोचते रहे कि आज या कल मेरे भाई के बारे में कोई खबर मिलेगी या नहीं। परिवार लगातार चिंता में जी रहा था, कभी नहीं पता था कि अगली जानकारी कब आएगी या वह क्या लेकर आएगी। हम बहुत घबराहट में थे, लगातार सोचते रहते थे कि आगे कौन सी खबर सुनने को मिलेगी।'

शुक्रवार सुबह जब परिवार पिछले 10 दिनों की तरह ही बेचैनी से इंतजार कर रहा था, तो उन्हें पता चला कि एक और व्यक्ति को सुरंग से बचाया गया है। इसके तुरंत बाद, उन्हें खबर मिली कि कबीर को भी जीवित निकाल लिया गया।

रूस के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव दिल्ली पहुंचे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रूस के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव शुक्रवार को ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश फोरम में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचने पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। भारत में रूसी दूतावास ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि इगोर क्रास्नोव अपनी यात्रा के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के न्यायिक प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य कानूनी सहयोग को और मजबूत करना है। फोरम का प्रमुख विषय न्याय व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर चर्चा रहेगा।

टेक्सटाइल सेक्टर में छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी संभावनाएं, केंद्र करेगा हरसंभव सहयोग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को दिए गए विशेष प्रोत्साहनों तथा इस क्षेत्र में आ रहे निवेश की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और अपैरल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने तथा आधुनिक तकनीक, डिजाइन और नवाचार को राज्य के पारंपरिक वस्त्र कौशल से जोड़ने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल सेक्टर के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में शामिल किया है। इसके अंतर्गत इस क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्यमियों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन एवं अनुदान का प्रावधान किया गया है। इन प्रावधानों के परिणामस्वरूप टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है और प्रदेश में नई इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है।

'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं।' सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है।

तीर तेवर — सागर कुमार

पीएम मोदी की बधाई पर मेलोनी ने कहा 'थैंक्यू'

एजेंसी ■ रोम

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री मेलोनी को उनकी सरकार के इटली गणराज्य के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने पर बधाई दी थी। पीएम मेलोनी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध इस समय पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं।

इटली की पीएम ने भरोसा जताया कि भारत और इटली दोनों महाद्वीपों के बीच के बंधन को मजबूत करना जारी रखेंगे और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'धन्यवाद, प्रिय नरेंद्र मोदी, आपके शब्दों और आपकी दोस्ती के लिए। आज इटली और भारत के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। विशेष रणनीतिक साझेदारी जिसे हमने अपनी पिछली बैठक के दौरान शुरू किया था, वह इस बंधन के महत्व और विकास के नए अवसर पैदा करने के लिए हमारे देशों की विशेषज्ञता को एकजुट करने की इच्छा की पहचान है, जो हमारे सामने सहयोग के असाधारण अवसरों का लाभ उठा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यकीन है कि इटली और भारत मिलकर हमारे महाद्वीपों के बीच के बंधन को भी मजबूत करना जारी रखेंगे, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को विकसित करने के लिए भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे।' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली के लोगों के विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने आने वाले वर्षों में उनकी निरंतर सफलता की कामना भी की। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में पीएम मेलोनी के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने दोनों देशों के लोगों के लिए समृद्ध भविष्य के निर्माण के लिए घनिष्ठ सहयोग जारी रखने की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री मेलोनी को इटली के युद्धोत्तर इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाली प्रधानमंत्री बनने पर बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली के लोगों के विश्वास और भरोसे का प्रतिबिंब है। उनकी दोस्ती भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी सहायक रही है और मैं हमारे देशों के लोगों के लिए समृद्ध भविष्य के निर्माण के लिए हमारे घनिष्ठ सहयोग को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी के बीच सीएम मोहन यादव ने कलेक्टरों को दिए अलर्ट रहने के निर्देश

विश्व केसरी

भोपाल । मध्य प्रदेश में आगामी दिनों में भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। इस दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त रहे और आम लोगों को परेशानी न हो इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को हाई अलर्ट पर रहने की निर्देश जारी किए हैं । वहीं पिछले दिनों हुई बारिश से मुश्किल में आए लोगों की मदद के लिए सरकार के साथ सामाजिक संगठन भी मैदान में मोर्चा संभाले हुए हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारी बारिश की संभावनाओं के मद्देनजर सभी संबंधित एवं प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संभावित परिस्थितियों को देखते हुए अग्रिम तैयारियां करने तथा आवश्यक संसाधनों को पहले से जुटाकर तैनात रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री यादव ने विशेष रूप से शुक्रवार की शाम भारी बारिश की चेतावनी तथा शनिवार दोपहर उत्तरी मध्यप्रदेश में भारी बारिश के अलर्ट को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन को पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और आवश्यकता अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। राज्य के कई हिस्सों में बीते कुछ दिनों से बारिश का दौर जारी है, जिससे नदी-नाले उफान पर हैं और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सतना जिले में हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पहुंचे थे। यहां सामाजिक संगठन प्रभावित परिवारों की मदद में जुटे हुए हैं।

मधुरिमा सेवा संस्कार फाउंडेशन की टीम कई गांव में पहुंच कर राशन का वितरण कर रही है वहीं आश्रय स्थल बनाकर भोजनशाला शुरू की है । संस्था की प्रमुख डॉ स्वप्ना वर्मा का कहना है कि मुसीबत के समय मदद करना हमारा धर्म है और यह किसी पूजा से भी कम नहीं है।

राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर प्रशासन प्रभावितों की मदद में लगा है और हम सभी की भी यह जिम्मेदारी है कि विपत्ति के समय क्षमता के अनुसार प्रभावितों की मदद की जाए। दरअसल पिछले दिनों सतना जिले के चित्रकूट में कई बस्तियों में पानी भर गया था और रेस्क्यू के लिए हेलीकॉप्टर तक का उपयोग करना पड़ा। अभी भी गांव तक पहुंचाने के रास्तों की हालत खराब है और क्षतिग्रस्त मकानों को सुधारा नहीं जा सका है।

केरल के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में जुटी सतीशन सरकार, आईआईएमके में मंथन

विश्व केसरी

कोझिकोड। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने शुक्रवार को शासन से जुड़े नियमित कार्यों को कुछ समय के लिए अलग रखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड (आईआईएमके) में आयोजित दो दिवसीय रणनीतिक नेतृत्व कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य की दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित करना और भविष्य की विकास रणनीति तय करना है।

रीइमैजिनिंग केरलम नाम के इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के अगले एक दशक को आकार देने वाली चुनौतियों और अवसरों पर सामूहिक चिंतन और नीतिगत मंथन के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है। भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड के मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित कार्यशाला शनिवार को संपन्न होगी।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यशाला में मंत्रिपरिषद के सदस्यों के अलावा राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव, विशेष कार्याधिकारी और राज्य प्रोटोकॉल अधिकारी भी भाग ले रहे हैं। यह पहल पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अलग है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक कौशल विकसित करना नहीं, बल्कि राज्य के दीर्घकालिक विकास, नीति निर्माण और भविष्य की रणनीतिक दिशा पर व्यापक विचार-विमर्श करना है।

प्रशासन की तुरंत की जरूरतों पर ध्यान देने के बजाय, इन सेशन में पॉलिसी बनाने वालों को शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ आमने-सामने लाया जाता है, ताकि लंबी अवधि की चुनौतियों की जांच की जा सके और यह पता लगाया जा सके कि पॉलिसी के फैसलों से लोगों की जिंदगी में स्थायी बदलाव कैसे लाए जा सकते हैं।

पहले दिन की चर्चा केरल के सामने आने वाले कुछ सबसे बड़े बदलावों- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बढ़ती उम्र वाली आबादी, जलवायु परिवर्तन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोजगार और अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप पर केंद्रित रही।

चर्चा के मुख्य विषयों में से एक केरल को हेल्थ और वेलनेस हब के तौर पर स्थापित करने की संभावना है। साथ ही सरकार तेजी से बढ़ती उम्र वाली आबादी के आर्थिक और सामाजिक नतीजों से निपटने के लिए एक खास 'सिल्वर इकोनॉमी मिशन' के विचार पर भी गौर करेगी।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड : चतरा में नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत, तीसरे की तलाश जारी

विश्व केसरी

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में सदर थाना क्षेत्र के घूरनाडीह गांव के पास कड़गु पटेर नदी के पास शुक्रवार को दो बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक बच्चे का शव नदी की धारा से, जबकि दूसरे का शव नदी किनारे से बरामद किया गया। दोनों बच्चों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि उनके साथ एक और बच्चा था, जिसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह तीन दोस्त पिकनिक मनाने के लिए नदी के पास पहुंचे थे। तीनों ने वहां पास्ता बनाकर खाया। इसके बाद वे नदी में नहाने चले गए। नहाने के दौरान तीनों बच्चे नदी के गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। नदी में दो बच्चों के शव देखकर ग्रामीणों ने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को नदी से बाहर निकलवाया।

औरंगाबाद में मिट्टी का मकान गिरने से 12 वर्षीय लड़की की मौत, 4 घायल

विश्व केसरी

पटना। बिहार के औरंगाबाद जिले में एक कच्चा मकान गिरने से 12 वर्षीय लड़की की मौत हो गई और उसके परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। ओबरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिन्हुदी गांव में घटी इस घटना ने गांव में दहशत फैला दी, जब मदद के लिए चीख-पुकार और गुहार सुनकर लोग सतर्क हो गए और मौके पर पहुंचे तो उन्होंने परिवार को मलबे के नीचे फंसा हुआ पाया। गांव वालों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद परिवार के पांचों सदस्यों को ढह चुकी इमारत से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की। हालांकि, बच्ची, जिसकी पहचान बबली कुमारी के रूप में हुई है, को बचाया नहीं जा सका। बबली कुमारी की मां पूनम देवी और तीन अन्य बच्चे नंदानी कुमारी, रिमी कुमारी और कुंदन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए औरंगाबाद के सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बबली कुमारी को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पूनम देवी हर रात की तरह अपने चार बच्चों के साथ पुराने मिट्टी के घर में सो रही थीं, तभी अचानक दीवारें और छत गिर गईं।

पीएमओ का अधिकारी बनकर एम्स में मरीजों को करा रहा था भर्ती, सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उसने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बताकर लोगों को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) में भर्ती कराया। सीबीआई ने धोखाधड़ी, झूठे सबूत देने और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला 31 अगस्त को दर्ज किया था।

सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक, मई 2026 में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के असिस्टेंट डायरेक्टर से रवि कांत शर्मा के खिलाफ एक लिखित शिकायत मिली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसने पीएमओ अधिकारी बनकर खुद को पेश किया और पीएमओ के नाम का गलत इस्तेमाल किया।

शिकायती पत्र में कहा गया है कि 26 फरवरी 2026 को रवि कांत शर्मा ने व्हाट्सएप के जरिए एम्स, नई दिल्ली के प्रोटोकॉल ऑफिसर से संपर्क किया। खुद को प्रधानमंत्री का 'ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी' (ओएसडी) बताया। साथ ही, एम्स अधिकारियों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए उन्हें अपना ईमेल एड्रेस और शिकायतें और दूसरी संबंधित सेवाओं के लिए पीएमओ पोर्टल बताया।

शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि पीएमओ के आधिकारिक रेफरल का बहाना बनाकर रवि कांत शर्मा ने एम्स के प्रोटोकॉल ऑफिसर बी.एन. आचार्य पर दबाव डाला। उन्होंने मोहम्मद इमरान नाम के मरीज को एम्स के इमरजेंसी डिपार्टमेंट में प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने और इलाज कराने के लिए दबाव बनाया।

चित्रकूट में घटा मंदाकिनी का जलस्तर, 688 लोगों का रेस्क्यू, राहत-बचाव अभियान जारी

विश्व केसरी

लखनऊ। चित्रकूट में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्यों को लेकर पूरी तरह सतर्क है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर 29 अगस्त को 135.20 मीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद अब घटकर 128.00 मीटर पर आ गया है।

उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, जलस्तर में गिरावट के बावजूद प्रशासन ने निगरानी और राहत कार्यों में कोई ढिलाई नहीं की है। अब तक 688 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा चुका है। वहीं जिले में बाढ़ से कोई भी जनहानि या पशुहानि नहीं हुई है। बाढ़ की स्थिति के दौरान प्रशासन ने अब तक करीब 688 लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत एवं सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ की टीम के 30 सदस्य और एसडीआरएफ की दो टीमों के 27 सदस्य तैनात किए गए हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन की टीमें भी लगातार सक्रिय हैं। मंदाकिनी नदी में बढ़े जलस्तर से कर्वी के रामघाट सहित 19 गांव, राजापुर के 7 गांव और मानिकपुर के 10 गांव, यानी कुल 36 गांव प्रभावित हुए।

इन क्षेत्रों में 13,906 लोगों तक मदद पहुंचाई गई। प्रशासन प्रभावित आबादी तक भोजन, राहत सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के काम में जुटा हुआ है। बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल भोजन उपलब्ध कराने के लिए बड़े स्तर पर व्यवस्था की गई है।

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से मिलेगा

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर भर के इंटर्न डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर इंटर्नशिप स्टाइपेंड में संशोधन की अपनी लंबे समय से लंबित मांग पर चर्चा करेगा।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के नेता डॉ. तसदुक कर रहे हैं। इनके साथ संयुक्त सचिव डॉ. आकिब, डॉ. शाहनवाज़, डॉ. तनिष मनसोत्रा ??और डॉ. फराज भी मुख्यमंत्री से मिलेंगे। इंटर्न अपने स्टाइपेंड में तुरंत संशोधन की मांग कर रहे हैं और उनका कहना है कि जब तक स्टाइपेंड बढ़ाने को औपचारिक रूप से मंजूरी नहीं मिल जाती और लिखित सरकारी आदेश जारी नहीं हो जाता, तब तक उनका शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा। एआईएमएसए के राज्य प्रभारी डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने बताया कि उन्हें कल (गुरुवार) रात सरकारी अधिकारियों का फोन आया था, जिसमें बातचीत के लिए इंटर्न डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल भेजने का अनुरोध किया गया था। डॉ. खान ने कहा, 'कल रात मुझे सरकार की ओर से फ़ोन आया था जिसमें बातचीत के लिए इंटर्न प्रतिनिधिमंडल भेजने का अनुरोध किया गया था।

कार्बी शांति समझौते की वर्षगांठ पर बोले हिमंत सरमा, संघर्ष से विकास की ओर बढ़ा क्षेत्र

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को ऐतिहासिक कार्बी शांति समझौते पर हस्ताक्षर की घटना को याद करते हुए इसे राज्य के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को बदलने वाला महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते ने कार्बी आंगलोंग में शांति, स्थिरता और विकास के एक नए दौर की शुरुआत की, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अशांति और उग्रवाद की समस्याओं को समाप्त करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि यह समझौता असम की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना कार्बी लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करते हुए सालों के संघर्ष से स्थायी सद्भाव की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि आज हम कार्बी शांति समझौते पर ऐतिहासिक हस्ताक्षर का जश्न मना रहे हैं। यह एक ऐसा अहम पड़ाव जिसने असम के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया और संघर्ष से स्थायी सद्भाव की ओर एक नया अध्याय शुरू किया।

इस समझौते ने क्षेत्र के लिए नए अवसर खोले हैं, जिनमें बुनियादी ढांचे का विकास और लक्षित आदिवासी कल्याण कार्यक्रमों से लेकर युवाओं, कला और स्थानीय उद्यमिता के लिए रास्ते शामिल हैं।

बी. नागेंद्र और जनार्दन रेड्डी के खिलाफ केस की मंजूरी पर अभी फैसला नहीं, फाइलों की होगी जांच : डीके शिवकुमार

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने अभी तक आदिवासी कल्याण मामले से जुड़े पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के बारे में कोई फैसला नहीं किया है। उन्होंने बताया कि फाइलें मिल गई हैं और अभी उनकी विस्तार से जांच की जानी बाकी है।

बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार कोई भी फैसला लेने से पहले आरोपों, कानूनी पहलुओं और इस बात की जांच करेगी कि क्या सही प्रक्रिया का पालन किया गया है या नहीं। जहां तक ??मुकदमा चलाने की मंजूरी का सवाल है, मैंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। मैंने उन फाइलों को देखा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री नागेंद्र, भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और अन्य से जुड़ी फाइलें भी गवर्नर ने उन्हें भेजी हैं। मुझे उनकी जांच करनी है और कानूनी नजरिए से देखना है कि क्या आरोपों में कोई दम है, क्या सब कुछ कानूनी रूप से सही है और क्या सही प्रक्रिया का पालन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन सभी चीजों की जांच करूंगा। मैंने जांच करने के बाद ही ऐसे मामलों में फैसले लिए हैं। पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे पर डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया था। नागेंद्र, जिन पर कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से जुड़े मामले में आरोप लगे थे, उन्होंने पहले ही कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि वे मुझे राजनीतिक रूप से खत्म कर देंगे। मुझे खुशी है कि मैं सफल रहा हूं, क्योंकि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। अगर मैंने कोई गलती की है, तो मुझे भी सजा मिलनी चाहिए। सीएम का यह बयान नागेंद्र के खिलाफ आरोपों और मुकदमे से जुड़े मामलों को सरकार द्वारा संभालने के तरीके पर जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है।

सीएम ने यह भी कहा कि सरकार इस बात पर जोर नहीं दे रही है कि प्रस्तावित टनल प्रोजेक्ट को लालबाग से ही गुजरना चाहिए और कहा कि वैकल्पिक रास्तों पर भी विचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि मैं लालबाग को परेशान करना चाहता हूं या मैं इस बात पर जोर दे रहा हूं कि टनल सिर्फ लालबाग से ही गुजरे। हम दूसरी जगहों पर भी विचार कर रहे हैं। आप कोई विकल्प बताइए।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1,
सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर email ID- eocghbzonel@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट/भवन क्रमांक एल.आई.जी.-36/429 द्वितीयतल में अंकिता तिवारी पिता श्री बलराम तिवारी को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 18.06.2021 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट/भवन के विक्रय हेतु दिनांक 07.04.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट/भवन श्री दुर्गा प्रसाद पिता श्री गौरीशंकर के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....35048..../ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35048
वार्ड का नाम 38 -स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715G00151** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **UJBELANAND** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE SUNDAR ATMANAND** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SURESH NAND** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LT. SUNDAR ATMA NAND** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे / निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35102..../ न. पा. नि. / जोन क्र 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35102
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662K00015** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAMLA BAI** पिता / पति **LT. RAM JI AGRWAL** श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **01. श्री आदित्य अग्रवाल, 02. श्री ध्रुव कुमार अग्रवाल, 03. श्रीमति सरोज अग्रवाल** पिता / पति श्री/श्रीमती **01. पिता ध्रुव कुमार अग्रवाल, 02. पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल, 03. पति ध्रुव कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुंबई के 'भारत डायमंड बोर्स' पहुंचे बेल्जियम के पीएम, बोले- भारत के पास दुनिया की कार्यशाला, हमारे पास वैश्विक बाजार

विश्व केसरी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (आईएएनएस)। नई द?ि?ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के विपणन और प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल हवाई अड्डे पर उनका स्?वागत क?िया। पीएम वेवर यहां बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित 'भारत डायमंड बोर्सल' (बीडीबी) पहुंचे। यहां हीरा उद्योग, बंदरगाह (पोर्ट्स) और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों और हितधारकों से मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर शुक्रवार को नई दिल्ली से मुंबई पहुंचे। मुंबई हवाई अड्डे पर उनका स्वागत महाराष्ट्र सरकार के विपणन और प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने किया। मुंबई में उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित हैं। इस दौरान वे हीरा उद्योग, बंदरगाह (पोर्ट्स) और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों और हितधारकों से मुलाकात करेंगे।'

जायसवाल ने कहा कि उम्मीद है कि ये बैठकें और चर्चाएं भारत और बेल्जियम के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने में मदद करेंगी तथा व्यापार और निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देंगी।

स्वागत के बाद प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) पहुंचे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में भारत एक कम लागत वाले डायमंड कटिंग केंद्र से आगे बढ़कर एक उच्च गुणवत्ता वाले केंद्र के रूप में उभरा है, जहां आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय कामकाज के मानक अपनाए जाते हैं।

दुनिया के हर 10 में से 9 से ज्यादा हीरे यहीं भारत में काटे और तराशे जाते हैं। लेकिन अब भारत सिर्फ हीरों की प्रोसेसिंग करने वाली जगह नहीं रह गया है। उन्होंने कहा भारत आज हीरे के आभूषणों के लिए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार भी है। आप सिर्फ कारोबार के लिए हीरे नहीं काटते, बल्कि खुद भी इन उत्पादों के खरीदार हैं।

उन्होंने कहा कि वहीं, दूसरी ओर, 'एंटवर्प' आज भी हीरा कटाई का एक प्रमुख केंद्र है, खासकर बेहद विशेष और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक वैश्विक बाजार हैं, एक ऐसी जगह जहां दुनिया भर का हीरा व्यापार एक साथ आता है। और यही वह क्षेत्र है जहां हम एक-दूसरे के पूरक बनते हैं। उन्होंने कहा, 'आपके पास दुनिया की कार्यशाला है और हमारे पास वह जगह है ।

चीन का लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों में वृद्धि हासिल करना लक्ष्य

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सहित दस विभागों ने 'लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने के लिए 15वीं पंचवर्षीय योजना' जारी की।

इसमें प्रस्ताव है कि 2030 तक, चीन में लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के समग्र विकास में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरह से सुधार होगा, जिसमें 22,000 विशिष्ट एवं नवोन्मेषी उद्यम, लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के लिए 600 राष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट औद्योगिक समूह और लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के लिए विविध वित्त पोषण चैनलों का और अधिक विस्तार शामिल होगा।

लघु एवं मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार को प्रोत्साहित करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपने विकास में रणनीतिक अवसरों के साथ-साथ जोखिम और चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

इस योजना का उद्देश्य लघु एवं मध्यम उद्यमों की नवाचार क्षमता, उद्यमिता और रचनात्मकता को पूर्णतः उजागर करना तथा उनके विशिष्ट, परिष्कृत और नवोन्मेषी विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना में प्रस्ताव है कि 2030 तक चीन में एक निर्धारित आकार से ऊपर के छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों की प्रति व्यक्ति परिचालन आय में संचयी रूप से लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

पाकिस्तानी सेना पर बलूचिस्तान में 25 लोगों को जबरन गायब करने का आरोप, मानवाधिकार संगठन ने उठाई आवाज

विश्व केसरी

क्वेटा। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने शुक्रवार को बलूचिस्तान के खुजदार जिले के जेहरी क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के तेज किए गए सैन्य अभियानों की कड़ी निंदा की। आरोप लगाया गया है कि रिहायशी इलाकों में ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि 25 नागरिकों को जबरन गायब कर दिया गया।

सूत्रों के हवाले से बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के कथित ड्रोन हमले में पानी लेने गई महिला की मौत हो गई और एक अन्य महिला सहित दो अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। संगठन ने कहा कि मृतक की पहचान और घायलों की मौजूदा स्थिति की पुष्टि करना मुश्किल है।

रिपोर्टों का हवाला देते हुए मानवाधिकार संस्था ने आगे कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर 25 स्थानीय निवासियों को हिरासत में लेकर जबरन गायब कर दिया है। यह घटना जेहरी में लंबे समय से लगे कर्फ्यू के बीच सामने आई है, जो कई महीनों से जारी है।

बीवीजे ने कहा, 'कर्फ्यू के कारण जेहरी में मोबाइल फोन सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जिससे प्रभावित समुदायों के साथ संचार गंभीर रूप से बाधित हो गया है। इस संचार ब्लैकआउट के कारण जबरन गायब किए गए लोगों के साथ-साथ मारे गए या घायल हुए लोगों के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करना विशेष रूप से कठिन हो गया है।'

सैन्य अभियान के दौरान 25 लोगों को जबरन गायब करने और एक महिला की हत्या की आलोचना करते हुए मानवाधिकार संस्था ने कहा, 'नागरिकों को निशाना बनाना, लोगों को जबरन गायब करना और सूचना व संचार तक पहुंच को प्रतिबंधित करना गंभीर मानवाधिकार चिंताएं पैदा करता है और तत्काल, स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है।

पंजाब : 10 लाख तक कैशलेस इलाज वाली योजना में डिजिटल हेल्थ कार्ड की सुविधा शुरू

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अपनी फ्लैगशिप स्वास्थ्य योजना को और आसान बना दिया है। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग ने बताया कि मुख्यमंत्री सेहत योजना (एमएमएसवाई) के तहत अब लाभार्थी अपना हेल्थ कार्ड घर बैठे डिजिटल तरीके से डाउनलोड कर सकेंगे। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए) पंजाब ने इस सुविधा को आधिकारिक पोर्टल पर लाइव कर दिया है।

अब लाभार्थियों को हेल्थ कार्ड की कॉपी लेने के लिए किसी सेवा केंद्र या दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ई-केवाईसी और फोटो वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद कार्ड को ऑनलाइन देखा और डाउनलोड किया जा सकेगा। इसे मोबाइल में सेव करके रखा जा सकता है या जरूरत पड़ने पर प्रिंट भी निकाला जा सकता है।

स्वास्थ्य एजेंसी ने कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा है। इनमें तीन चरण है। पहला चरण में विवरण दर्ज करना है। लाभार्थी अपनी फैमिली आईडी, हेल्थ कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर या आधार नंबर डालकर अपने परिवार का रिकॉर्ड सर्च कर सकते हैं। दूसरे चरण में ओटीपी वेरिफिकेशन की प्रक्रिया है। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या आधार से लिंक मोबाइल पर आए ओटीपी से सत्यापन करना होगा।

तीसरे चरण में सफल प्रमाणीकरण के बाद वेरिफाइड हेल्थ कार्ड स्क्रीन पर दिखेगा, जिसे पीडीएफ फॉर्मेट में डाउनलोड किया जा सकता है।

विभाग ने साफ किया है कि कार्ड डाउनलोड करने से पहले ई-केवाईसी पूरी करना जरूरी है। यह एक सुरक्षा उपाय है। लाभार्थी को परिवार के सदस्यों की फोटो अपडेट कर सत्यापन करना होगा। बिना वेरिफिकेशन के सिर्फ कार्ड डाउनलोड कर लेना मान्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत हर पात्र परिवार को प्रतिवर्ष 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज कवरेज दिया जा रहा है। डिजिटल कार्ड की सुविधा इसी कड़ी में एक बड़ा सुधार है। इससे कागजी कार्रवाई कम होगी और इमरजेंसी के समय दस्तावेज तुरंत उपलब्ध होगा।

डाउनलोड किया गया कार्ड लाभार्थी अपने मोबाइल में सुरक्षित रख सकते हैं। इसकी प्रिंटेड कॉपी अपने पास रख सकते हैं, परिवार के सदस्यों के साथ शेयर कर सकते हैं और अस्पताल में इलाज के दौरान दिखा सकते हैं।

बिहार के खगड़िया में चाचा-भतीजे की चाकू मारकर हत्या, हिरासत में पति-पत्नी और पुत्र

विश्व केसरी

पटना। बिहार के खगड़िया जिले में पैसों के लेन-देन को लेकर हुए झगड़े के बाद एक चाचा और उनके भतीजे की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के सिलसिले में पूछताछ के लिए तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पीड़ितों की पहचान गौरव कुमार (23) और अंकुर कुमार (22) के तौर पर हुई है, जो भरतखंड पुलिस स्टेशन इलाके के खजराइथा गांव के रहने वाले थे। गौरव, अंकुर के मामा थे।

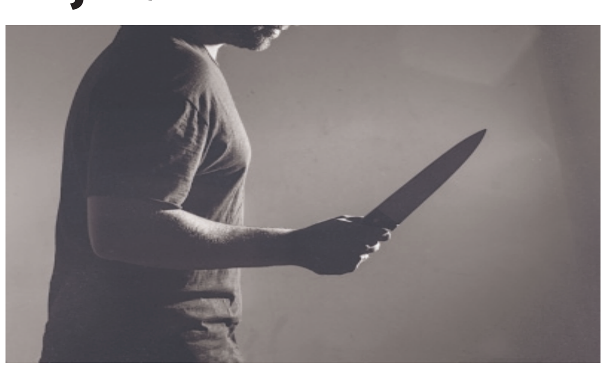

परिवार वालों के मुताबिक, दोनों परिवारों का गांव के ही रहने वाले पंकज चौधरी के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर झगड़ा चल रहा था। गुरुवार सुबह दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद मामले को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई।

बैठक के बाद लगा कि झगड़ा सुलझ गया है। हालांकि, परिवार वालों का आरोप है कि शाम को झगड़ा फिर से शुरू हो गया, जिसके बाद चाकू मारने की घटना हुई और गौरव-अंकुर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलने पर परिवार वाले दोनों को परबत्ता कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले गए। शुरुआती इलाज के बाद, डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय रेफर कर दिया।

परिवार वाले घायलों को बेगूसराय ले जा रहे थे, तभी रास्ते में अंकुर की मौत हो गई। थोड़ी देर बाद गौरव की भी चोटों के कारण मौत हो गई।

इन मौतों से दोनों परिवारों में मातम छा गया। गौरव अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घटना के बाद पुलिस ने पंकज चौधरी, उनकी पत्नी और उनके बेटे को हिरासत में ले लिया। घटना के हालात और इसमें उनकी कथित भूमिका की जांच के तहत तीनों से पूछताछ की जा रही है। भरतखंड एसएचओ सावित्री कुमारी ने बताया कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है ।

डीएससी घोटाले में बेटे को क्यों बचा रहे हैं?, जगन ने चंद्रबाबू नायडू पर साधा निशाना

विश्व केसरी

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को मेगा डीएससी के जरिए शिक्षक भर्ती में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग दोहराते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पर उनके बेटे और राज्य के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश को बचाने का आरोप लगाया।

जगन मोहन रेड्डी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चंद्रबाबू नायडू से पूछा कि जब भर्ती प्रक्रिया में कथित तौर पर अयोग्य उम्मीदवारों को नौकरी मिलने के सबूत सामने आ रहे हैं, तब भी वह मामले को सीबीआई को सौंपने से क्यों बच रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मेगा डीएससी योग्य उम्मीदवारों के साथ 'धोखा' साबित हुई है और सरकार सत्ता, झूठ तथा प्रचार के जरिए शिक्षा मंत्री नारा लोकेश को बचाने की कोशिश कर रही है।

वाईएसआरसीपी प्रमुख ने दावा किया कि कुरनूल जिले में एक बीसी उम्मीदवार, जिसे टीईटी में 75 अंक लाना जरूरी था, उसे खेल कोटा के तहत केवल 65 अंक होने के बावजूद एसजीटी का पद दे दिया गया। उन्होंने कहा कि जब प्रमाणपत्रों का व्यक्तिगत सत्यापन किया गया और उम्मीदवार की अयोग्यता स्पष्ट थी, तो उसे नियुक्ति कैसे मिली। आवेदन स्तर पर अयोग्य उम्मीदवार सभी चरण पार कर नौकरी तक कैसे पहुंच गया और इसके पीछे कौन-सी 'अदृश्य ताकत' काम कर रही थी।

जगन ने आरोप लगाया कि डीएससी-2025 भर्ती में राज्य के कई जिलों में इसी तरह नियमों का उल्लंघन हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अधीन काम करने वाले अधिकारी इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कर सकते। उनके मुताबिक जब परिस्थितियां शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करती हैं, तब सरकार के अधिकारी स्वतंत्र जांच नहीं कर पाएंगे।

एयरफोर्स के विमानों का शानदार 'एलीफेंट वॉक', वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना के विमानों का एक प्रभावशाली 'एलीफेंट वॉक' देखने को मिला। यहां वायुसेना के सभी डार्नियर 228 (डो-228) विमानों ने अनुशासित तरीके से बेहतरीन प्रदर्शन किया। विमानों की इस 'एलीफेंट वॉक' ने वायुसेना की परिचालन तैयारियों, रखरखाव की उत्कृष्टता, आपसी समन्वय और प्रशिक्षित एयर क्रू की दक्षता को प्रदर्शित किया।

दरअसल 'एलीफेंट वॉक' ग्राउंड पर विमानों की एक बड़ा ही सधी हुई मूवमेंट होती है। इसमें कई सारे विमानों को एक निर्धारित क्रम और समन्वित तरीके से जमीन पर आगे बढ़ाया जाता है। इस तरह का अभ्यास विमानों की संख्या और शक्ति का प्रदर्शन होता है। साथ ही साथ यह बेहतर योजना, तकनीकी तैयारी, रखरखाव व्यवस्था और चालक दल के बीच तालमेल को भी दर्शाता है।

यह उपलब्धि हासिल करने वाले बेंगलूरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन का परिवहन विमान संचालन और प्रशिक्षण से जुड़ा लंबा इतिहास रहा है। एलीफेंट वॉक के दौरान डोनियर-228 विमानों की एक साथ मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि किसी भी ऑपरेशनल आवश्यकता के समय विमानों, तकनीकी दल और चालक दल के बीच समन्वय के लिए उच्च स्तर की तैयारी है। यह अभ्यास 'ताकत में एकजुटता और कार्रवाई में सटीकता' की भावना को सामने लाता है। येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर डोनियर-228 विमानों का यह प्रदर्शन शक्ति, तकनीकी दक्षता, प्रशिक्षण और विवेक भावना को दर्शाता है। इस एलीफेंट वॉक ने यह भी रेखांकित किया कि आधुनिक सैन्य अभियानों में केवल अत्याधुनिक विमान होना पर्याप्त नहीं है। उनकी हर समय परिचालन के लिए तैयार स्थिति, नियमित रखरखाव, प्रशिक्षित चालक दल और जमीन पर काम करने वाली टीमों के बीच निर्बाध समन्वय उतना ही महत्वपूर्ण है।

गौरतलब है कि एशिया के सबसे बड़े हवाई शो 'एयरो इंडिया' के 16वें संस्करण का आयोजन 8 से 12 फरवरी 2027 तक बेंगलुरु के इसी वायुसेना स्टेशन, येलहंका में किया जाएगा। 'एयरो इंडिया' में दुनिया की प्रमुख विमानन एवं रक्षा प्रदर्शनियों में शामिल होंगी।

कानपुर में पांडु नदी का जलस्तर बढ़ा, 11 इलाके जलमग्न; एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

विश्व केसरी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पांडु नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गहरा गया है। करीब 11 इलाके जलभराव की चपेट में हैं। कई स्थानों पर पानी घरों के अंदर तक पहुंच गया है। हालात को देखते हुए एनडीआरएफ की टीम ने प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, एनडीआरएफ टीम कमांडर अजय सिंह और एसडीएम सदर अभिनव सिंह ने मौके की स्थिति और राहत-बचाव कार्यों की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है और जिन घरों में अभी लोग मौजूद हैं, वहां लगातार निगरानी की जा रही है। पांडु नदी का पानी बढ़ने से कई बस्तियों में घरों के अंदर तक पानी पहुंच गया है। कुछ जगहों पर चार से छह फीट तक पानी होने की बात स्थानीय लोगों ने कही। पानी भरने से घरेलू सामान खराब हो गया है और कई घरों में खड़ी बाइक व अन्य वाहन भी डूब गए हैं। प्रभावित परिवार घर खाली कर बेड, फ्रिज, सिलेंडर, राशन और जरूरी सामान सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में जुटे हैं। लोगों के सामने घर और सामान बचाने के साथ परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रखने की चुनौती बनी हुई है। कई परिवार घरों में ताला लगाकर सड़क किनारे टेंट में रहने को मजबूर हैं। किसी टेंट में बिस्तर रखा गया है तो कहीं राशन और घरेलू सामान जमा किया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बच्चों और बुजुर्गों के साथ घर के भीतर रहना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय निवासी सुरेश ने बताया कि पानी घरों में भरने के कारण लोग बाहर रहने को मजबूर हैं।

संपादकीय

तकनीक के युग में शिक्षक : ज्ञान ही नहीं, जीवन-दृष्टि के भी निर्माता

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे। परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है।

डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण-पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति, परम्पराओं और मूल्यों से जोड़ते हुए उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवैधानिक मूल्यों का विकास कर सकते हैं। विद्यालय की कक्षा वास्तव में भविष्य के समाज की प्रयोगशाला है। तकनीक के इस दौर में शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवीय संवेदना है। पुस्तक ज्ञान दे सकती है, इंटरनेट सूचना दे सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन किसी विद्यार्थी की आँखों में छिपी निराशा को पहचानना, उसकी असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना और उसे फिर से प्रयास करने की प्रेरणा देना शिक्षक ही कर सकता है। मशीन विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर दे सकती है, लेकिन उसके मौन का अर्थ समझना अभी भी मानवीय संवेदना का विषय है।

आज परिवारों की संरचना और जीवनशैली में भी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हो रहा है और अनेक बच्चों को पहले की तरह परिवार के बुजुर्गों का निरन्तर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे समय में शिक्षक का दायित्व और बढ़ जाता है। विद्यालय केवल पाठ पढ़ाने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को आकार देने का स्थान भी है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित कर सकता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को प्रश्न करना, तर्क करना, निर्णय लेना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाती है। शिक्षा मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील भी बनाती है। यदि विद्यार्थी ऊँची उपाधियाँ तो प्राप्त कर लें, लेकिन उनमें करुणा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाती है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक हैं। एक शिक्षक एक विद्यार्थी को बदलता है, विद्यार्थी परिवार को प्रभावित करता है और परिवार समाज को। इस प्रकार शिक्षक का प्रभाव एक पूरी पीढ़ी तक पहुँचता है।

शिक्षक दिवस पर विशेष

शिक्षक : केवल पढ़ाने वाला नहीं; भविष्य गढ़ने वाला शिल्पकार है

डॉक्टर कान्ति लाल यादव

शिक्षक सिर्फ किताबी ज्ञान न देकर अपने छात्रों को जीवन जीने की कला को सीखता है। उनके चरित्र का निर्माण करता है। शिक्षक खुद तपकर और जलकर अपने शिष्यों की जिंदगी को रोशन करता है। शिष्यों की प्रगति को देखकर वह खुश होता है।छात्रों को वह अपनी दौलत के समान समझता हैं। अच्छा शिक्षक अपने शिष्यों को सही गलत में भेद करने और सही निर्णय की समझ पैदा करता है। छात्रों में हौसलों की उड़ान से नवजीवन की रोशनी भरने का काम करता हैं; एक सच्चा शिक्षक।

अंधकार रूपी आकाश में वह ज्ञान रूपी दीप जलाता है। सच्चा मार्ग बतलाकर सच्ची रहा बताता है शिक्षक। अपने आदर्शों और संस्कारों से हमें एक अच्छा इंसान बनाता है शिक्षक।

एक अच्छा शिक्षक केवल किताब का पाठ नहीं पढ़ाता है बल्कि वह जीवन को पढ़ना-लिखना सीखाता है।

हमारे देश की महान् परंपरा रही है कि शिक्षक का स्थान सदा सर्वोपरि रहा है। हमारे यहां शिक्षक से गुरु का स्थान जिन्होंने पाया है उन्होंने निस्वार्थ भाव से दूसरों का भविष्य संवारा है।

हमारे यहां गुरु को केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति ही नहीं माना गया है बल्कि उन्हें जीवन का मार्गदर्शन,संस्कारों का संवाहक और भविष्य का निर्माता माना गया है। एक महान् व्यक्ति के पीछे भी एक शिक्षक का हाथ होता है। वह अपने विचारों से वैचारिक क्रांति करता है। वह समाज देश और दुनिया बदलने की ताकत रखता है।

इसी वजह से भारत में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन देश के महान् शिक्षक, दार्शनिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का स्मरण करते हुए शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता करने का शुभ अवसर है।

आज के तकनीकी और मशीनी युग में विद्यार्थियों की दशा और दिशा बदलने का काम यदि सही मायने में कोई करता है तो इसका सच्चा हकदार है शिक्षक समाज ही हैं।

शिक्षक हमें सिर्फ अच्छे अंक लाकर एक बेहतर परीक्षा परिणाम तक सिद्ध नहीं करता है बल्कि वह हमें एक अच्छा इंसान बनाकर एक जिम्मेदार देश का नागरिक बनाना चाहता हैं।जब तक इंसान एक अच्छा इंसान नहीं बनता तब तक शिक्षक का सपना समाज और राष्ट्र का अधूरा रहता है। अत: शिक्षक अपने शिष्यों को नैतिक मूल्यों और कर्तव्यों का पाठ पढ़ाता है।उन्हें संस्कारवान बनाता है। अपने विद्यार्थियों को सोचने समझने का एक बड़ा आयाम और एक बड़ा विवेकशील नजरिया देता है। वह अपने विद्यार्थियों को सत्य,अहिंसा और त्याग रूपी देशभक्ति का पाठ पढ़ाता है।

देश के हर क्षेत्र के विकास के लिए तथा समृद्ध राष्ट्र के लिए शिक्षक का स्थान महत्वपूर्ण ही नहीं बल्कि अति आवश्यक हो जाता है। शिक्षक की गरिमा और शिक्षक का स्थान सम्माननीय हो जाता है। आज देश में शिक्षकों की सुविधा और शिक्षा के बजट में सरकार को बढ़ोतरी करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए आज भौतिक संसाधनों के अभाव में भी शिक्षक अपने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए परिवार के सदस्यों की भांति जोड़कर हौसलों के पंख लगाते हैं और अभाव में फूल खिलाने का काम करते हैं। विद्यार्थी को जीवन जीने की प्रेरणा से सुगम मार्ग दिखाता है एक शिक्षक और हर परेशानी से लड़ना ही नहीं बल्कि हंसकर जीना सब कुछ सीखने का व्यावहारिक ज्ञान देता है; वह होता है शिक्षक।

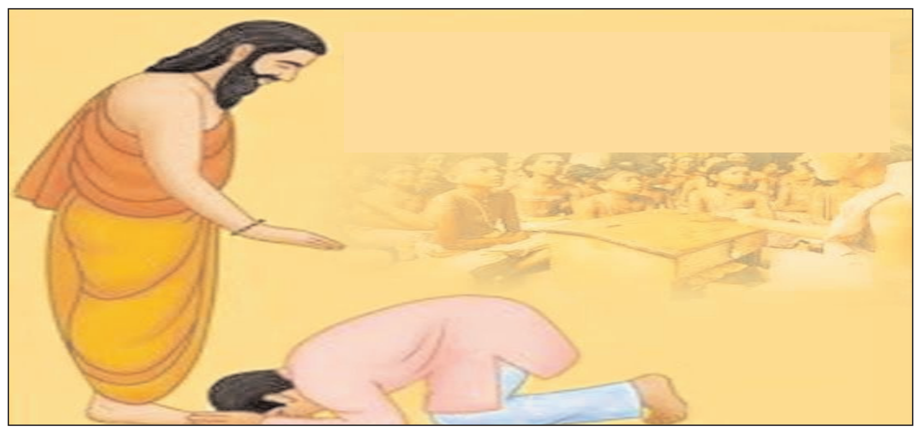

आज के दौर में और स्वार्थ भरी जिंदगी में यह माना जाने लगा है कि शिक्षा का अर्थ केवल सरकारी नौकरी प्राप्त करना है और रोजगार तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना ही एकमात्र उद्देश्य समझा जा रहा है और शिक्षा का व्यवसायीकरण होने लगा है किंतु सच में शिक्षा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। शिक्षक का उद्देश्य मानव को एक अच्छा,आदर्श इंसान बनाने से है। विद्यार्थी को विवेकवान तथा संवेदनशील, सही-गलत का निर्णय लेने वाला; न्यायशील,व्यावहारिक और मानवीय गुणों से जीवन जीने वाला,कर्तव्य-पथ पर चलने वाला तथा मानवीय संस्कारों से प्रेरित होकर एक सच्चा जीवन जीने वाला जिम्मेदार नागरिक बनाने से है।

एक शिक्षक का उद्देश्य यह होता है कि वह अपने विद्यार्थियों को जीवन-पथ पर चलने के लिए सार्थकता प्रदान करने से है। न की मतलबी शिक्षा से स्वार्थी जीवन जीने से है। शिक्षक के द्वारा पढ़ाया गया छात्र यदि अधिकारी बन जाता है तो यह उस छात्र की व्यक्तिगत उपलब्धि कहलाएगी किंतु यदि वह छात्र अधिकारी बनकर समाज और राष्ट्र के प्रति वफादारी से और संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन कर समाज तथा देश के नागरिकों की उत्तम सेवा करता है तो उसकी शिक्षा- दीक्षा सार्थक कहलाएगी, अन्यथा सरकारी नौकरी भी मूल्यहीन हो जाएगी। इसलिए एक शिक्षक के द्वारा मात्र पाठ्यक्रम पूरा करवाने से ज्यादा बेहतर छात्र के चरित्र का निर्माण करने का दायित्व ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। शिक्षक के द्वारा निस्वार्थ भाव से अपने छात्रों को मार्गदर्शन देना भी मानवीय औषधि से कम नहीं है। विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना ही एक बड़ी जीत के समान है। जिससे छात्र अपने जीवन काल में निराशा भरे समय में और संकट के समय में जीत का झंडा गाड़ देता है। जन्म देने वाले मां-बाप से शिक्षक भौतिक जीवन में अपने विचारों और संस्कारों से छात्रों के नवजीवन की संजीवनी प्रदान करते हैं। शिक्षक की सफलता तब सार्थक हो जाती है जब उसके द्वारा पढ़ाया गया विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक रूप से बदलाव लाने में सक्षम होकर समाज तथा राष्ट्र की दशा और दिशा को बदलने का काम करता है। यही एक शिक्षक की सही सफलता का मूल्यांकन है। शिक्षक द्वारा दिया गया ज्ञान का उजाला और छात्रों के दिल दिमाग में बोया गया मानवीय गुणों से एक वट वृक्ष तैयार होता है जिससे विवेक रूपी प्रकाश और वट वृक्ष की छाया में समाज और राष्ट्र सुकून पाता है। जिस देश ने शिक्षकों का सम्मान किया है। देश से ऊपर शिक्षकों को रखा है। वह देश सबसे आगे बढ़ा है। चाहे कितनी ही विपरीत परिस्थितियों क्यों ना हो।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के लिए सिर्फ बधाई देने का दिन नहीं है बल्कि यह शिक्षा और व्यवस्था तथा व्यक्ति,समाज और राष्ट्र की मांग के अनुसार शिक्षा व्यवस्था को समय एवं परिस्थिति और आवश्यकता के अनुसार दिशा धारा प्रदान करने का है। एक नया संकल्प रूपी पर्व के समान है। आत्मनिर्भर इंसान से विकसित भारत का सपना है। एक जिम्मेदार नागरिक का मिशन है।भारत की महान् परंपरा, संस्कृति और विरासत को संजीवनी प्रदान करने का प्रयास है।आने वाले कल का एक बड़ा हल है। विश्व में भारत के समृद्ध युवाओं से एक नई पहचान बनाने का जज्बा है। शिक्षक राष्ट्र की मशाल है। देश के भविष्य को गढ़ने वाला शिल्पकार है। मैं अंत में यही कहना चाहूंगा-

गुरु का ज्ञान हमारे अंतर्मन मन को खोल देता है। गुरु अपने आशिषों से हमें बेहतर इंसान बनाता है। छू लेते हैं वे मंजिलें अपनी-अपनी, जिसे गुरु का ज्ञान रूपी खजाना मिल जाता है।

मर रहा सूचना का अधिकार, निष्क्रिय हो देख रही है सरकार

-डॉ. शैलेश शुक्ला

सूचना का अधिकार आज खुद ही सांस के लिए संघर्ष कर रहा है और सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। जो कानून आम आदमी को अफसर से सवाल पूछने की ताकत देता था, वह आज खुद अपनी सुनवाई का इंतजार कर रहा है। आंकड़े डराने वाले हैं। देश में उनतीस सूचना आयोग हैं, एक केंद्रीय और अट्ठाईस राज्यों के। जून, 2025 तक इन सभी में कुल चार लाख तेरह हजार नौ सौ बहत्तर अपील और शिकायतें पेंडिंग थीं। केंद्रीय सूचना आयोग की ही बात करें तो एक फरवरी, 2026 में सरकार ने राज्यसभा में बताया कि वहां उनतीस हजार चौंतीस अपील और तीन हजार पांच सौ सतहत्तर शिकायतें यानी कुल बत्तीस हजार छह सौ ग्यारह मामले लंबित हैं। अगस्त, 2026 में यह संख्या चालीस हजार पार कर गई, जब छत्तीस हजार तीन सौ पचास अपील और तीन हजार सात सौ तैंतीस शिकायतें पोर्टल पर दिखीं। इसका सीधा अर्थ है कि जिस व्यक्ति ने गांव के हैंडपंप, राशन कार्ड या छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी मांगी, उसकी दूसरी अपील की सुनवाई दो साल बाद होगी। तब तक अधिकारी रिटायर हो चुका होगा और सवाल बेमानी हो जाएगा।

यह भीड़ मामलों की अधिकता से नहीं, कुर्सियां खाली रखने से बनी है। सरकार की सबसे बड़ी गैर जिम्मेदारी नियुक्तियां न करना है। अक्टूबर,2025 में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया गया कि केंद्रीय सूचना आयोग में चीफ का पद 14 सितंबर, 2025 से खाली है और दस में से आठ आयुक्तों के पद खाली हैं। दस में से आठ कुर्सियां खाली हों तो काम कैसे चलेगा। राज्यों में स्थिति और खराब है। जुलाई, 2024 से अक्टूबर, 2025 के बीच 29 में से छह आयोग अलग अलग अवधि में पूरी तरह बंद रहे क्योंकि वहां कोई आयुक्त ही नहीं था। हिमाचल प्रदेश और झारखंड अक्टूबर, 2025 तक बंद थे। जब आयोग ही बंद रहेगा तो नागरिक कहां जाएगा। दूसरी वजह है पुरानी कार्यपद्धति। एक आयुक्त साल में औसतन अट्ठाईस सौ मामलों का निपटारा करता है, जबकि हर साल 30,000 से ज्यादा नए मामले आ जाते हैं। एक गड्ढा भरते ही दो नए खुद जाते हैं। इस गति से पेंडेंसी कभी खत्म नहीं होगी। कई राज्यों में सुनवाई में दो साल लग रहे हैं।

तीसरी वजह सबसे गंभीर है और वह है सरकार की मंशा। आरटीआई कानून की धारा चार एक बी में लिखा है कि हर विभाग को 17 तरह की जानकारी खुद ही वेबसाइट पर डालनी होगी। बजट, वेतन, विदेश यात्रा, सरकारी गाड़ी, बंगला, ठेके, सब्सिडी के लाभार्थी, सब कुछ। इसे स्वत: प्रकटीकरण कहते हैं। सोच यह थी कि जानकारी पहले से सार्वजनिक होगी तो आरटीआई की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। पर हकीकत में अस्सी फीसदी से ज्यादा विभाग इसका पालन नहीं करते। वेबसाइट पर दस साल पुराना डेटा पड़ा है या कुछ है ही नहीं। नतीजा एक ही सवाल पर हजारों आरटीआई आती हैं और आयोग दब जाता है। यह बोझ सरकार ने खुद बनाया है। चार लाख से अधिक पेंडिंग मामले सिर्फ फाइल नहीं, चार लाख लोगों के टूटे भरोसे की कहानी हैं। इसी कानून से आदर्श सोसाइटी, कॉमनवेल्थ, टू जी जैसे घोटाले उजागर हुए। इसी से गरीब की पेंशन, छात्र की कॉपी, किसान का मुआवजा जैसे सवालों के जवाब मिले। जब सुनवाई दो साल बाद होगी तो अधिकारी को डर ही नहीं रहेगा। वह सोचेगा जानकारी रोक लूं, अपील होगी, दो साल टलेगा, तब तक मेरा तबादला हो जाएगा। यह डर खत्म होना भ्रष्टाचार की जीत है। सरकार अक्सर दुरुपयोग का आरोप लगाती है, पर सच्चाई यह है कि वह दुरुपयोग के बहाने उपयोग को ही खत्म कर रही है। नियुक्ति न करना, बजट न देना, स्टाफ न देना, यह कानून को बिना रद्द किए मारने की रणनीति लगती है।

बोध कथा

गुरु का असली सम्मान

राहुल अपने शिक्षक से बहुत डरता था, क्योंकि वे उसकी छोटी-सी गलती पर भी उसे समझाते और मेहनत करने के लिए कहते थे। एक दिन शिक्षक दिवस आया। सभी बच्चे अपने शिक्षक के लिए उपहार लाए, लेकिन राहुल खाली हाथ था।

शिक्षक ने मुस्कुराकर पूछा, 'राहुल, तुम मेरे लिए क्या लाए हो?

राहुल ने सिर झुकाकर कहा, 'सर, मैं आज से मन लगाकर पढ़ूंगा और आपकी हर अच्छी बात को अपने जीवन में अपनाऊंगा।

यह सुनकर शिक्षक की आंखें खुशी से भर आईं। उन्होंने कहा, 'बेटा, इससे बड़ा उपहार मेरे लिए कोई नहीं हो सकता।

शिक्षा: गुरु का सच्चा सम्मान उनके दिए ज्ञान और संस्कारों को जीवन में अपनाने से होता है।

कविता

मेरे शिक्षक

मुझे खुशी है कि आप मेरे शिक्षक हैं;
मुझे आपके द्वारा पढ़ाया जाने वाला
प्रत्येक पाठ अच्छा लगता है।
आप मेरे आदर्श हैं और मुझे
सपने देखने, मेहनत करने और
अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए
प्रेरित करते हैं।

आपकी दयालुता से मेरा ध्यान
आकर्षित होता है; आप हर दिन
जिज्ञासा और प्रेरणा का
बीज बोते हैं, ताकि मैं जान सकूं,
विकसित हो सकूं और सफल हो
सकूं।

आपने मेरी क्षमता को साकार करने

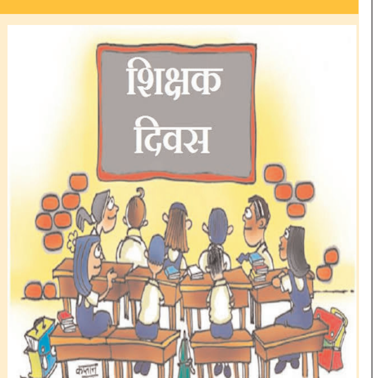

में मेरी मदद की;
आपने जो कुछ भी किया है,
उसके लिए मैं आपका
आभारी हूं।
मैं हर दिन आपकी प्रशंसा
करता हूं, और मैं बस इतना
कहना चाहता हूं कि
एक शिक्षक के रूप में आप
सर्वश्रेष्ठ हैं!

व्यंग्य केसरी

शिक्षक दिवस के मेले में शिक्षक ही गायब!

वीरेंद्र बहादुर सिंह

एआई से भी ज्यादा सुपर इंटेलिजेंट शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक आइडिया आया कि इस बार शिक्षक दिवस के आसपास ही मेलों का मौसम आता है, तो क्यों न खास तौर पर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए ही शिक्षक मेला आयोजित किया जाए। तुरंत शिक्षकों को उनके कार्यस्थल के नजदीक आयोजित शिक्षक मेले में उपस्थित रहने के आदेश जारी कर दिए गए। इस आदेश से शिक्षक समुदाय में बेचैनी फैल गई, लेकिन छुट्टी के दिनों में सिर चकरा देने वाले 'सर' समेत तरह-तरह के सरकारी काम करने के आदी शिक्षक मजबूरी में, मन मारकर मेले में ड्यूटी करने पहुंच गए। हालांकि मेले में लगाए गए स्टाल देखकर शिक्षक खुद चकरा गए। एक स्टाल था— 'जनगणना स्टाल'। उस पर लिखा था,

शिक्षक मित्रों को यहां जनगणना का प्रशिक्षण दिया जाता है। जनगणना की प्रक्रिया, लोगों के उलटे-सीधे सवालों के जवाब, फार्म भरवाने और उसकी जांच करते समय किन बातों का ध्यान रखना है, इसकी जानकारी यहां से दी जाएगी।

अधिकांश शिक्षक इस स्टाल से भाग खड़े हुए। लेकिन वहां तो शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी पहले से ही मोर्चा संभाले खड़े थे। उन्होंने शिक्षकों से कहा, 'ऐसे भागिए मत, आपके काम के स्टाल तो इस तरफ हैं।

शिक्षक वहां पहुंचे तो एक स्टाल पर लिखा था, 'पशु गणना का प्रशिक्षण।' दूसरे पर लिखा था, 'मलेरिया सर्वेक्षण।' तीसरे पर, 'फसल का सर्वेक्षण।' और चौथे पर लिखा था, 'सरकार द्वारा आयोजित रोड शो सम्मेलन के लिए विद्यार्थियों को लाने-ले जाने की व्यवस्था तथा उनकी उपस्थिति की जिम्मेदारी।'

शिक्षक तो जैसे किसी भुतहा जगह पर आ गए हों, इस तरह घबरा उठे और इधर-उधर भागने लगे।

तभी एक शिक्षक को शिक्षा विभाग का एक कर्मचारी मिला। उसके हाथ में एक प्लेकार्ड था, जिस पर लिखा था, 'विद्यार्थियों के आधार कार्ड का सत्यापन करवाएं।

दूसरे प्लेकार्ड पर लिखा था, 'विभिन्न आंकड़ों की ऑनलाइन एंट्री करें, कंप्यूटर पर बैठें।

तीसरे प्लेकार्ड पर लिखा था, 'प्रवेशोत्सव और अन्य सरकारी आयोजनों के विद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों के फोटो अपलोड करें।

चौथे पर लिखा था, 'मिड-डे मील का हिसाब रखें।

शिक्षक घबराए हुए इधर-उधर घूमते रहे, लेकिन उन्हें ऐसे ही तमाम स्टाल और बैनर दिखाई देते रहे।

आखिरकार एक शिक्षक को एक विचार आया। वे स्वयं आगे बढ़कर शिक्षा विभाग के एक अधिकारी के पास जाकर बोले, 'इन सभी स्टाल और प्लेकार्ड पर लिखी सूचनाएं और ये सारे काम ठीक हैं। हमारे लिए तो ये भी फन एक्टिविटी ही हैं। लेकिन हमारी जो बुनियादी जिम्मेदारी है, उसके मुताबिक शिक्षा से संबंधित कोई स्टाल है क्या? शिक्षा सामग्री, विद्यार्थियों का मूल्यांकन, किताबें, गणवेश, विद्यालय में उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं, इनसे संबंधित कोई स्टाल है क्या?

एक अधिकारी मुंह बनाकर बोले, 'वो क्या है न कि इस मेले की भीड़ में शिक्षा थोड़ी खो गई है, आप ये सारे काम निपटा लीजिए, फिर समय बचा तो उसे खोजेंगे।

इतना वाक्य पूरा करते-करते अधिकारी तो मेला छोड़कर फरार हो गए।

इतिहास

शिक्षक दिवस की शुरुआत (1962): भारत में पहली बार 5 सितंबर 1962 को शिक्षक दिवस मनाया गया था। जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने, तब उनके कुछ छात्रों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई। इस पर राधाकृष्णन जी ने कहा कि मेरा व्यक्तिगत जन्मदिन मनाने के बजाय यदि इस दिन को पूरे देश के शिक्षकों के सम्मान में 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए, तो मुझे अधिक गर्व होगा

नीरजा भनोट और पैन एम् फ्लाइट 73 हाईजैकिंग (1986): 5 सितंबर 1986 को मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही पैन एम् फ्लाइट-73 को कराची में आतंकवादियों ने हाईजैक कर लिया था। भारतीय विमान परिचारिका नीरजा भनोट ने अपनी जान पर खेलकर सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई थी और इस दौरान वे आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए शहीद हो गईं। उनकी इस वीरता के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले।

पंजाब विश्वविद्यालय को मिली उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों की सौगात, उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और पंजाब विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा और केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला में उन्नत उपकरण सुविधा का उद्घाटन किया।

सी. पी. राधाकृष्णन ने पंजाब विश्वविद्यालय तकनीकी नवाचार मंच का भी उद्घाटन किया और पीयू-टीआईएफ विश्वविद्यालय के अकादमिक, अनुप्रयुक्त और अनुवादात्मक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं, जो शोधकर्ताओं, नवोन्मेषकों और उद्योग को उन्नत विश्लेषणात्मक, इनक्यूबेशन और उद्यमशीलता सहायता प्रदान करते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए सी. पी. राधाकृष्णन ने 1882 में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की विशिष्ट विरासत को याद किया और नेताओं, न्यायविदों, वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों और लोक सेवकों की पीढ़ियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान को भी रेखांकित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान तंत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। भारत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के लिए वैश्विक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि पांच उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप, रमन स्पेक्ट्रोमीटर, डीएनए सीक्वेंसर, फ्लो साइटोमीटर और एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर की स्थापना से नैनोटेक्नोलॉजी, सामग्री विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और जीनोमिक्स सहित क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से मजबूती मिलेगी। नवाचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि बायो-एनईएसटी का पंजाब विश्वविद्यालय तकनीकी नवाचार मंच के रूप में धारा 8 के अंतर्गत आने वाली गैर-लाभकारी कंपनी में परिवर्तन अनुसंधान, उद्यमिता और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नए संस्थागत ढांचे का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नवाचार तभी फलता-फूलता है, जब शिक्षा जगत, उद्योग, इनक्यूबेटर और निवेशक मिलकर काम करते हैं।

युवा शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे उद्देश्यपूर्ण विज्ञान का अध्ययन करने असफलताओं के बावजूद दृढ़ रहने और समावेशी, व्यापक और वास्तविक सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नवाचार विकसित करने का आग्रह किया।

चढ़ावा चोरी के आरोपियों को बचाने की कोशिश करेगी सरकार तो होगी विदाई : अवधेश प्रसाद

विश्व केसरी

लखनऊ। अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में विभिन्न पहलुओं पर अपनी राय व्यक्त की। राम मंदिर ट्रस्ट में नए सीईओ की नियुक्ति के बाद अब नई टीम का ऐलान होने जा रहा है। इस पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मेरा हिसाब से इस नई टीम का कोई मतलब नहीं बनता है। इस टीम में सभी पुराने लोग ही शामिल हैं।

सपा सांसद ने कहा कि गौर करने वाली बात है कि टीम में शामिल सभी लोग संघी हैं। इन सभी लोगों पर चढ़ावा चोरी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।सरकार बेशक इन्हें बचाने में जुटी हो, लेकिन मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि यह करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ विषय है। जब-जब धर्म की हानि होती है, तो कोई न कोई शक्ति जरूर अवतरित होती है। इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि इन लोगों पर चढ़ावा चोरी के संबंध में कई तरह के गंभीर आरोप लगे हैं। इन लोगों ने जो काम किया है, उसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि ये लोग बचने की कितनी भी कोशिश करें, मगर बच नहीं पाएंगे। इन लोगों का सर्वनाश तय है।

सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि अगर सरकार इन लोगों को बचाने की कोशिश करेगी तो सरकार भी जाएगी। सरकार की भी विदाई तय होगी और विदाई की शुरुआत साल 2027 से शुरू हो जाएगी। 2027 में भाजपा की सरकार पूरी तरह से पराजित होने जा रही है। सपा सांसद ने कहा कि जिसे जो अवधारणा फैलानी है, वो फैला सकता है, लेकिन इस बात को किसी भी सूरत में खारिज नहीं किया जा सकता कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता सर्वोपरि है। उसके हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता है। अगर प्रदेश की जनता का भरोसा किसी पर बढ़ा है, तो वो सपा प्रमुख अखिलेश यादव हैं। लोगों का विश्वास उन पर बढ़ा है।

अवधेश प्रसाद ने संजय निषाद के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने आकाश आनंद के संदर्भ में कहा कि उनका हमारी पार्टी में स्वागत है। सपा सांसद ने कहा कि आज की तारीख में ऐसे लोगों का कोई वजूद नहीं रह गया है।

असम के मुख्यमंत्री ने इंडस्ट्री लीडर्स से किया निवेश का आग्रह, कहा-इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाएंगे

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को उद्योगों और निवेशकों से राज्य में निवेश करने और असम को अपना 'घर' बनाने का आग्रह किया।

एक्स पोस्ट में सरमा ने राज्य सरकार की ओर से निवेशकों के अनुकूल माहौल बनाने की कोशिशों का जिक्र किया। उन्होंने पॉलिसी सपोर्ट, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स लगाने के लिए जमीन की उपलब्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'सभी उद्योगों से अपील है कि आएं, असम में निवेश करें और इसे अपना घर बनाएं।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसा माहौल बनाने के लिए काम कर रही है जिससे बिजनेस तेजी से अपना काम शुरू कर सके और अपनी मौजूदगी बढ़ा सके।

उन्होंने कहा, 'निवेशकों के अनुकूल पॉलिसी से लेकर तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर और जमीन की उपलब्धता तक हम ऐसा माहौल बना रहे हैं, जिससे बिजनेस तेजी से शुरू हो सकें और बड़े हो सकें।' संभावित निवेशकों के लिए अपनी बात साफ करते हुए उन्होंने कहा, 'असम बिजनेस के लिए तैयार है।'

सीएम सरमा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब असम खुद को पूर्वोत्तर में निवेश के एक उभरते हुए केंद्र के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए वह अपनी रणनीतिक स्थिति और दूसरे पूर्वोत्तर राज्यों व पड़ोसी देशों के साथ अपनी कनेक्टिविटी का फायदा उठा रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने अलग-अलग सेक्टर में प्राइवेट निवेश लाने और औद्योगिक विकास के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है।

असम की लोकेशन से कारोबारियों को पूर्वोत्तर के बड़े बाजार तक पहुंच मिलती है और यह दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों के लिए एक संभावित गेटवे का काम करता है। सरकार राज्य को उन उद्योगों के लिए एक डेस्टिनेशन के तौर पर पेश करने की भी कोशिश कर रही है।

गोदावरी प्रदूषण मामले में आंध्र पेपर मिल्स को समन जारी करने के निर्देश, पवन कल्याण ने सख्त कार्रवाई के दिए आदेश

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और पर्यावरण मंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को राजमहेंद्रवरम (राजमुंदरी) में गोदावरी नदी के प्रदूषण के लिए आंध्र पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को कंपनी के खिलाफ समन जारी करने और नियमों के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पवन कल्याण ने अधिकारियों से कहा कि कंपनी के खिलाफ पर्यावरण नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने महाधिवक्ता, अतिरिक्त महाधिवक्ता, सरकारी वकीलों और स्टैंडिंग काउंसिल को भी कंपनी से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

शुक्रवार को जारी बयान में उपमुख्यमंत्री ने कंपनी पर पिछले 10 वर्षों से कर भुगतान से बचने का भी आरोप लगाया। उनके अनुसार कंपनी पर स्थानीय निकायों का 21.34 करोड़ रुपये बकाया है और उसने वर्ष 2016 से कोई कर नहीं चुकाया है।

पवन कल्याण ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक राजमहेंद्रवरम शहर में होने वाले कुल जल प्रदूषण का लगभग आधा हिस्सा अकेले आंध्र पेपर मिल्स से आता है। उन्होंने बताया कि शहर से प्रतिदिन करीब 70 मिलियन लीटर तरल अपशिष्ट निकलता है, जिसमें से 35 मिलियन लीटर अपशिष्ट अकेले यह कंपनी छोड़ती है।

उन्होंने कहा कि जांच में यह भी पुष्टि हुई है कि कंपनी द्वारा छोड़े जा रहे अपशिष्ट में प्रदूषक तत्व निर्धारित सीमा से अधिक पाए गए हैं। अपशिष्ट लैगून के पास लिए गए नमूनों में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 36 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज की गई, जो निर्धारित मानक से 20 प्रतिशत अधिक है। फॉस्फेट का स्तर 5.3 मिलीग्राम और सल्फाइड का स्तर 3.4 मिलीग्राम पाया गया, जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों से क्रमशः 6 प्रतिशत और 70 प्रतिशत अधिक है।

कोच्चि : 'अश्लील' तस्वीरें फैलाने के आरोप में केरल का छात्र गिरफ्तार, जांच में चौंकाने वाले खुलासे

विश्व केसरी

कोच्चि। केरल के एक कॉलेज छात्र को शिक्षकों और छात्रों की मॉर्फ्ड (छेड़छाड़ की गई) अश्लील तस्वीरें फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके मोबाइल फोन से कथित तौर पर पता चला है कि टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए पैसे लेकर गलत तस्वीरें बेची जा रही थीं और डिवाइस में लड़कियों के हॉस्टल के कमरों के वीडियो और तस्वीरें भी मौजूद थीं।

भरत माता कॉलेज के सेकेंड ईयर के बीबीए छात्र एस. श्रीहरि को मैनेजमेंट की शिकायत के बाद कक्कनाड पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस की इजाजत से उसका फोन चेक करने वाले छात्रों को कई तस्वीरें मिली, जिनमें छात्राओं की तस्वीरें भी शामिल थीं। इन तस्वीरों का बार-बार गलत इस्तेमाल करके अश्लील बनाई गई थी। छात्रों को टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए मॉर्फ्ड की गई तस्वीरें बेचने के सबूत भी मिले। इसका तरीका यह था कि टेलीग्राम चैट पर तस्वीरें भेजी जाती थीं और उसी चैनल के जरिए उनके मॉर्फ्ड किए गए वर्जन मिल जाते थे।

फोन चेक करने वाले छात्रों के मुताबिक, टीचरों और छात्रों की मॉर्फ्ड की गई तस्वीरें फैलाने के लिए खास ग्रुप भी बनाए गए थे। छात्र के फोन की गैलरी में गर्ल्स हॉस्टल के कमरों की तस्वीरें मिलने से जांच में एक नया मोड़ आ गया है। पुलिस इसकी जांच करेगी कि क्या हॉस्टल के अंदर तस्वीरें ली गई थीं और बाद में उनका इस्तेमाल मॉर्फ्ड की गई तस्वीरें बनाने के लिए किया गया था। जांच करने वालों को यह भी पता चला है कि क्लास ले रहे टीचरों की तस्वीरें और वीडियो भी कथित तौर पर रिकॉर्ड किए गए थे और बाद में मॉर्फिंग के लिए इस्तेमाल किए गए थे। आरोपी कॉलेज के ऑफिशियल प्रोग्राम और फंक्शन के लिए फोटोग्राफी और वीडियो एडिटिंग का काम करता था, जिससे उसे टीचरों और छात्रों की तस्वीरों और वीडियो तक पहुंच मिल जाती थी। पुलिस को पहले ही उसके फोन पर बड़ी संख्या में मॉर्फ्ड की गई तस्वीरें और वीडियो मिले थे, जिनमें छात्राएं भी शामिल थी। कॉलेज को इन कथित गतिविधियों के बारे में पहली बार 1 सितंबर को पता चला, जब एक पूर्व छात्र ने एक महिला टीचर को जानकारी दी।

एक साल की तलाश खत्म : एटीएम चोरी गैंग का मास्टरमाइंड 'इम्मा' राजस्थान के जंगल से गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच को एटीएम चोरी के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। करीब एक साल से फरार चल रहे 'एटीएम चोरी करने वाले गैंग' के मास्टरमाइंड इमरान खान उर्फ इम्मा को क्राइम ब्रांच की एनडीआर यूनिट ने राजस्थान के भिवाड़ी के घने जंगलों से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिल्ली समेत कई राज्यों में 20 से ज्यादा एटीएम चोरी के मामलों में वांछित था और दो मामलों में घोषित अपराधी (पीओ) करार दिया जा चुका था।

पुलिस के मुताबिक, 36 साल का इमरान खान हरियाणा के पलवल जिले के हथीन थाना क्षेत्र के मामोल्का गांव का रहने वाला है। वह अनपढ़ है और पार्ट-टाइम ट्रक ड्राइवर का काम करता है। इलाके में उसे 'इम्मा' के नाम से जाना जाता है। पुलिस का कहना है कि उसने एटीएम मशीनों को उखाड़ने और खोलने में महारत हासिल कर रखी थी।

एनडीआर यूनिट, सेक्टर-8, आर.के. पुरम को लगातार इनपुट मिल रहा था कि दिल्ली में हुई एटीएम चोरी की कई वारदातों के पीछे इम्मा का हाथ है। वह मेवात क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में छिपकर पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपी को पकड़ने के लिए डीसीपी चंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर एसीपी उमेश बर्थवाल की निगरानी और इंस्पेक्टर विवेक मलिक की देखरेख में विशेष टीम बनाई गई थी। टीम ने पिछले एक साल में तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण और जमीनी खुफिया जानकारी जुटाई। जांच मेवात की ओर इशारा कर रही थी, जहां आरोपी घने जंगलों और सुनसान गांवों का फायदा उठाकर छिपा था। हेड कांस्टेबल रामनरेश और एसआई उमरदीन ने स्थानीय वेशभूषा में इलाके में घुल-मिलकर गुप्त जानकारी जुटाई।

यूपी : एएनटीएफ-एफएसडीए की संयुक्त कार्रवाई में नशीली दवाओं के बड़े नेटवर्क का भांडाफोड़

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर सरकार की नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत एएनटीएफ लखनऊ यूनिट और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर में नशीली दवाओं के बड़े नेटवर्क का भांडाफोड़ किया है।

कार्रवाई में 9.60 लाख एल्जोमैक-0.5 (एल्प्राजोलाम) टैबलेट, 1.20 लाख स्पैसमोनाम प्लस (ट्रामाडोल एचसीएल) कैप्सूल और कोडीन युक्त ओनेरेक्स 100 एमएल कफ सिरप की 720 बोतलें बरामद हुईं। बरामद दवाओं का कुल वजन करीब 228 किलोग्राम है। टीम ने सात मोबाइल फोन और 11,140 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। मामले में छह आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है।

एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि ट्रांसपोर्ट नगर में नशीली दवाओं की बड़ी खेप की डिलीवरी होने वाली है। 3 सितंबर को निगरानी के दौरान मकान संख्या एस-363/364 के सामने तीन लोग कार्टूनों को बोरियों में छिपाते मिले। तलाशी में किशन वासवानी, समीर अहमद और शाद इरशाद के कब्जे से नशीली दवाएं बरामद हुईं। मौके पर मौजूद एफएसडीए के औषधि निरीक्षकों ने तीनों दवाओं के नमूने जांच के लिए लिए। पूछताछ में किशन और समीर ने बताया कि दवाएं कन्हैया फार्मा के संचालक उमेश कुमार से ली गई थीं।

इसके बाद उमेश कुमार और सतेन्द्र सिंह को पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि उमेश कुमार कथित तौर पर सतेन्द्र सिंह की फर्म के दस्तावेजों का इस्तेमाल नशीली दवाओं की बिलिंग के लिए करता था और इसके बदले सतेन्द्र को कमीशन दिया जाता था। एफएसडीए की जांच में कन्हैया फार्मा में प्रॉक्सीमेक-एसपीएएस कैप्सूल के 1,116 डिब्बों समेत सात प्रकार की दवाओं का भंडारण मिला। फर्म की ओर से दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित पूर्ण अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

टनल रोड प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ने से पहले बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम की स्थिति का अध्ययन करें : शोभा करंदलाजे

विश्व केसरी

बेंगलुरु। केंद्रीय राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार से आग्रह किया कि वह प्रस्तावित टनल रोड प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ने से पहले बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम की समस्या का व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करे।

बेंगलुरु में भाजपा के प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए करंदलाजे ने टनल रोड प्रोजेक्ट के मौजूदा स्वरूप का विरोध किया और इसकी अनुमानित लागत में हुई भारी बढ़ोतरी पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि टनल रोड प्रोजेक्ट के पहले पैकेज की अनुमानित लागत 5,484 करोड़ रुपए से बढ़कर 10,734 करोड़ रुपए हो गई है जबकि दूसरे पैकेज की लागत का अनुमान 11,263 करोड़ रुपए लगाया गया है।

उन्होंने सवाल किया, 'टेंडर की रकम में लगभग 97 प्रतिशत की बढ़ोतरी क्यों हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रोजेक्ट बिना पर्याप्त तैयारी या उचित वैज्ञानिक अध्ययन के शुरू किया जा रहा है। सरकार के उस सर्कुलर का जिक्र करते हुए जिसमें कहा गया है कि टेंडर प्रीमियम 5 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए, उन्होंने सवाल किया कि प्रोजेक्ट की लागत में इतनी भारी बढ़ोतरी की इजाजत कैसे दी गई।

उन्होंने कहा, 'इस 10,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट के लिए बोली (बिडिंग) बुलानी चाहिए थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने प्रोजेक्ट पर एक तकनीकी रिपोर्ट मांगी थी और सरकार ने जरूरी अध्ययन पूरे किए बिना जल्दबाजी में टेंडर मंगाए। उन्होंने पूछा, 'अगर मेट्रो और टनल रोड एक साथ चलेंगी तो सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी। आपने क्या अध्ययन किया है।

करंदलाजे ने सरकार से आग्रह किया कि वह अपने कार्यकाल के बचे हुए समय में 'बेंगलुरु को बर्बाद न करे।' उन्होंने यह भी कहा कि वह कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर शहर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करेंगी।

शेयर बाजार लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त के साथ बंद

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 362.57 अंक या 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,515.43 और निफ्टी 24.25 अंक या 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,897.70 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान बाजार में तेजी का नेतृत्व मेटल और कमोडिटीज ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मेटल (1.07 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (0.55 प्रतिशत) की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.49 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.39 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.30 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.28 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (0.21 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.04) प्रतिशत की मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ निफ्टी रियल्टी (0.90 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.87 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.68 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.47 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.45 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.44 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.43 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 156.15 अंक या 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,079.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 44.70 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,095.45 पर था।

जानकारों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका कम होने से भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी गई। हालांकि, ऊंचे स्तरों पर मुनाफा वसूली और मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण तेजी सीमित रही। निवेशकों की नजर आज आने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों पर है, जबकि ब्याज दरों के भविष्य का अंदाजा लगाने के लिए अगले हफ्ते आने वाले अमेरिकी खुदरा महंगाई के आंकड़े अहम होंगे। अगस्त में कोर महंगाई दर में मामूली गिरावट की आम उम्मीदों से फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला रुकने की संभावना मजबूत हो सकती है और इससे बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर सभी सेक्टर्स के अच्छे प्रदर्शन का परिणाम : विजय कलंत्री

विश्व केसरी

मुंबई। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की जीडीपी का 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने की वजह सभी क्षेत्रों का अच्छा प्रदर्शन करना है। यह बयान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) के चेयरमैन और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विजय कलंत्री ने शुक्रवार को दिया।

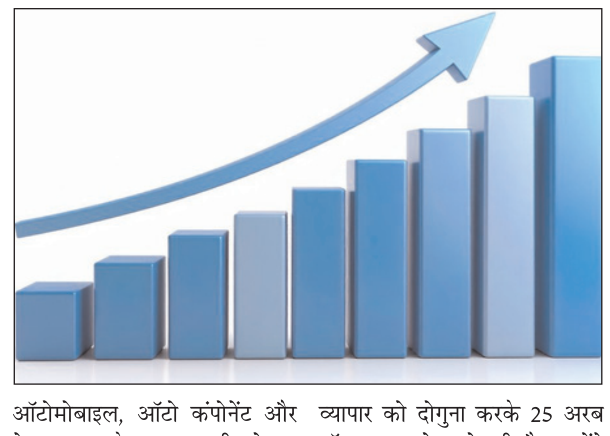

मुंबई के एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में निवेश और व्यापार पर ओमानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कलंत्री ने कहा कि पहले अनुमान था कि देश की विकास दर करीब 6.5 प्रतिशत रहेगी, लेकिन वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है। इसकी वजह सभी क्षेत्रों का मजबूत प्रदर्शन करना है।

उन्होंने आगे कहा कि यह वृद्धि दर ऐसे समय पर हासिल की गई है, जब मध्य पूर्व युद्ध के कारण ढुलाई की लागत में वृद्धि हुई है। इस दौरान ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट और टेक्सटाइल के साथ सभी सेक्टर प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। भारत-ओमान व्यापार पर बोलते हुए कलंत्री ने कहा कि भारत और खाड़ी देशों के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत और जीवंत व्यापारिक संबंध रहे हैं। लगभग 11 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ, हमारे पास फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, इंजीनियरिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिपिंग, समुद्री सेवाओं और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अपने व्यापार को बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। हमारा लक्ष्य इस व्यापार को दोगुना करके 25 अरब डॉलर तक ले जाने की है। उन्होंने आगे कहा कि ओमान के वर्ल्ड-क्लास पोर्ट, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर इसे भारतीय कंपनियों के लिए क्षेत्रीय और ग्लोबल मार्केट तक पहुंचने का एक आकर्षक जरिया बनाते हैं। 2025 में भारत-ओमान के बीच हुआ द्विपक्षीय व्यापार समझौता हमें एक रणनीतिक फायदा देता है, और अब हमें बातचीत से आगे बढ़कर व्यापार, निवेश, जॉइंट वेंचर और मजबूत बिजनेस पार्टनरशिप के जरिए असल नतीजे हासिल करने की दिशा में बढ़ना चाहिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्लोबल कंपनियों के सीईओ को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने न्यूयॉर्क में वैश्विक कंपनियों के सीईओ के साथ कई दौर की बातचीत कीं और उन्हें भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश के लिए आमंत्रित किया। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से दी गई।

टिलमैन होल्डिंग्स के चेयरमैन और सीईओ संजीव आहूजा के साथ बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया बजट घोषणाओं सहित भारत की नीतिगत व्यवस्था डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश को बढ़ावा देती है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल सेवाओं और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में तेजी से हो रही वृद्धि का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में डेटा सेंटर, हाई-कैपेसिटी नेटवर्क और भरोसेमंद बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर की मांग लगातार बढ़ रही है और टिलमैन जैसी कंपनियां भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के अगले चरण में भाग लेने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। मार्श री के सीईओ डीन क्लिसुरा और कंपनी की रणनीति एवं कॉरपोरेट डेवलपमेंट प्रमुख देवांशु ध्यानी के साथ एक अन्य बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक प्रोफेशनल-सर्विसेज और रिस्क-मैनेजमेंट कंपनियों को एक बड़ा घरेलू बाजार, कुशल प्रतिभा, तेजी से विस्तार करता इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल क्षमताएं और लगातार सुधारों की दिशा में बढ़ता कारोबारी माहौल उपलब्ध कराता है। वहीं, मार्श री की टीम ने भारत सरकार के सुधार केंद्रीय दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि कंपनी भारत में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने एवं विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि भारत एक समान अवसर वाला बाजार उपलब्ध कराता है और यहां अच्छा नियामक आईआरडीएआई मौजूद है।

मार्श री ने यह भी बताया कि उसने गिफ्ट सिटी पर अपना फोकस मजबूत किया है और वहां वित्तीय इकोसिस्टम के साथ उत्पादों और सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ा रही है।

एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली हादसे पर एएआईबी ने जारी की रिपोर्ट, पॉजिटिव ड्रग टेस्ट पर जताई गहरी चिंता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फुकेत से दिल्ली आ रही उड़ान में मुख्य पायलट (पायलट-इन-कमांडर) का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आना और ऊंचाई में कमी आना 'गंभीर चिंता' का विषय है। यह जानकारी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

साथ ही, रिपोर्ट में एएआईबी ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इस मामले में प्राथमिक के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की है। इसमें आगे कहा गया कि तकनीकी और अन्य पहलुओं से संबंधित विस्तृत जांच चल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में दोनों क्रू सदस्यों की फ्लाइट के बाद मेडिकल स्क्रीनिंग की गई और उनके ब्रेथलाइजर टेस्ट के नतीजे संतोषजनक रहे। साइकोएक्टिव (मन को प्रभावित करने वाले) या नशीले पदार्थ का पता लगाने वाले टेस्ट में पायलट-इन-कमांड (पीआईसी) का सैंपल नॉन-नेगेटिव पाया गया, जबकि को-पायलट का सैंपल नेगेटिव था।

रिपोर्ट में कहा गया, 'पीआईसी का सैंपल नॉन-नेगेटिव पाया गया। इसके बाद, कन्फर्मेशन टेस्ट के लिए फ्लाइट क्रू के दोनों सदस्यों के ब्लड सैंपल पैथोलॉजिकल लैब भेजे गए। पीआईसी की कन्फर्मेशन टेस्ट रिपोर्ट नॉन-नेगेटिव आई, जबकि को-पायलट का सैंपल दोनों टेस्ट में नेगेटिव पाया गया।'

इस बीच, एयर इंडिया ने कहा कि वह जांच में सहयोग कर रही है और इस घटना के बाद अपने सभी पायलटों की स्वैच्छिक जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'सुरक्षा एयर इंडिया की सबसे बड़ी प्राथमिकता है,' और साथ ही यह भी कहा कि सुरक्षा, फिटनेस या नियमों के पालन में किसी भी तरह की चूक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि, जांच एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, फुकेत में उड़ान भरने से पहले विमान की जांच के दौरान कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई, सिवाय 'मिनिमम इक्विपमेंट लिस्ट' (एमईएल) के तहत पहले से ही नोट किए गए एक आइटम के। इसके अलावा, विमान में कुल 145 लोग सवार थे, जिनमें 137 यात्री, छह केबिन क्रू और दो पायलट शामिल थे।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कम से कम 20 यात्रियों और चार क्रू सदस्यों को चोटें आईं; विमान को मुख्य रूप से ओवरहेड स्टोरेज डिब्बों और सीलिंग पैनलों में नुकसान पहुंचा। फ्लाइट क्रू ने भी विमान के चारों ओर की गई जांच (वॉक-अराउंड इंस्पेक्शन) के दौरान कोई गड़बड़ी नहीं बताई। फ्लाइट एआई-2379 के तौर पर उड़ान भर रही एयरबस ए320, 4 अगस्त को ओडिशा के ऊपर 36,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ते समय अपने तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम खो बैठी।

आरबीआई के कदमों से वित्त वर्ष 27 में करीब 75 अरब डॉलर रह सकता है भारत का भुगतान संतुलन : बैंक ऑफ बड़ौदा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से उठाए गए कदमों के चलते वित्त वर्ष 27 में भारत का भुगतान संतुलन (बैलेंस ऑफ पेमेंट) अधिशेष 65-75 अरब डॉलर के बीच रह सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि सर्विस निर्यात और रेमिटेंस में मजबूती के चलते चालू खाता घाटा जीडीपी का 1-1.25 प्रतिशत के बीच रह सकता है।

इसके अलावा, आरबीआई की ओर से विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई स्कीमों के तहत 136.4 अरब डॉलर का इनफ्लो आने से देश के विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू मुद्रा के अवमूल्यन को रोकने में मजबूती मिली है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'अर्थव्यवस्था का भविष्य अच्छा दिख रहा है। भले ही मध्य पूर्व के हालात को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन भारत अब बाहरी झटकों का सामना करने के लिए मजबूत स्थिति में है।'

भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति में 47.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिससे कुल विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 729.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

आरबीआई द्वारा डॉलर आकर्षित करने के लिए जून में शुरू की गई स्कीमों के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा के जरिए लगभग 127.2 अरब डॉलर जुटाए गए, जो कुल इनफ्लो का 90 प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं, विदेशी मुद्रा में विदेशी कर्ज (ओएफसीबी) के जरिए 5.3 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्य उधारी (ईसीबी) के जरिए 3.9 अरब डॉलर जुटाए गए।

कई बैंकों ने 3-5 साल की एफसीएनआर (बी) जमा राशि पर ब्याज दरें लगभग 2-4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6-7 प्रतिशत कर दीं, जिससे ये जमा राशि एनआरआई के लिए ज्यादा आकर्षक हो गईं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि आरबीआई अतिरिक्त लिक्विडिटी को सक्रिय रूप से सोख रहा है, क्योंकि उसने 6 अगस्त से 2 सितंबर के बीच कुल 53.5 लाख करोड़ रुपए के वीआरआरआर नीलामी की घोषणा की है।

सरकार और आरबीआई ने इन उपायों की घोषणा इनफ्लो को बढ़ाने के लिए की है, क्योंकि यूएस-ईरान युद्ध ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर दी थीं। तेल की बढ़ती कीमतों और लगातार एफपीआई आउटफ्लो के कारण बाहरी स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। इससे डॉलर के मुकाबले रुपए पर दबाव देखा जा रहा था।

सेल की बिक्री अगस्त में 13 प्रतिशत बढ़ी, उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने शुक्रवार को कहा कि उसकी बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.87 मिलियन टन हो गई है। इस दौरान होट मेटल, क्रूड स्टील और बिकने योग्य स्टील का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा है।

सरकारी कंपनी ने कहा कि बीते महीने कच्ची स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 1.68 मिलियन टन हो गया है, जो कि बीते वर्ष 1.55 मिलियन टन था। वहीं, होट मेटल का उत्पादन सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 1.78 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले 1.63 मिलियन टन था।

बिक्री योग्य स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 1.69 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले 1.66 मिलियन टन था। सेल ने बताया कि अगस्त में उसकी कुल बिक्री 1.871 मिलियन टन रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1.654 मिलियन टन थी, जो कि बिक्री में सालाना आधार पर 13.11 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सेल चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ए.के. पांडा ने कहा, 'अगस्त और अप्रैल-अगस्त की अवधि में सेल का प्रदर्शन कंपनी की ऑपरेशनल क्षमता, कमर्शियल डिलीवरी और वित्तीय समझदारी के बीच बढ़ते तालमेल को दिखाता है।'

पांडा ने कहा कि कंपनी के रिकॉर्ड प्रोडक्शन, बिक्री की रफ्तार और फाइनेंशियल मैनेजमेंट ने इसके आधार को मजबूत किया है। साथ ही, जैसे-जैसे विस्तार प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहे हैं और मांग का आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है, सेल विकास की गति बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

कंपनी के अनुसार, इस महीने कैश कलेक्शन में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सेल ने बताया कि उसने अगस्त में कई वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट कैटेगरी में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की, जिनमें कोल्ड रोल्ड, गैल्वेनाइज्ड और अलॉय स्टील शामिल हैं। अगस्त में भारतीय रेलवे को आपूर्ति सालाना आधार पर 5 प्रतिशत बढ़कर 1,23,000 टन हो गई।

कंपनी ने बताया कि लॉन्ग रेल की सप्लाई 11 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 112,000 टन हो गई।

वहीं, कंपनी ने 31 मार्च के स्तर से अपना कर्ज भी 8.7 अरब रुपए कम किया।

अप्रैल-अगस्त के दौरान, सेल की कुल बिक्री सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 7.71 मिलियन टन हो गई।

भारत को एफसीएनआर (बी) के पुनर्भुगतान की चिंता करने की आवश्यकता नहीं : नीलकांत मिश्रा

विश्व केसरी

मुंबई। भारत को आने वाले पांच वर्षों में परिपक्व होने वाले विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमा के पुनर्भुगतान को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह उपकरण पूंजी का अपेक्षाकृत सस्ता स्रोत है। यह बयान विश्व बैंक में भारत के लिए कार्यकारी निदेशक नीलकांत मिश्रा ने दिया।

एनडीटीवी प्रॉफिट के साथ एक इंटरव्यू में मिश्रा ने कहा कि भारत को एफसीएनआर (बी) के तहत पूंजी 6.5-7 प्रतिशत की ब्याज पर मिल रही है, जो 'काफी सस्ती' है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर जमा परिपक्व होने के समय हालात मुश्किल बने रहते हैं, तो देश एक और एफसीएनआर (बी) जारी कर सकता है। भारत की खास यूएसडी-आईएनआर फॉरेक्स स्वैप सुविधा के तहत 136.4 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आई (31 अगस्त, 2026 तक), जिसमें एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का हिस्सा 93 प्रतिशत था। मिश्रा ने बताया कि एफसीएनआर (बी) होल्डिंग्स 127.2 अरब डॉलर थीं, जबकि विदेशी मुद्रा में विदेश से लिए गए कर्ज का हिस्सा 5.26 अरब डॉलर और बाहरी कमर्शियल कर्ज का हिस्सा 3.89 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि पैसा चाहे एफडीआई, पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट या किसी और जरिए से आए, 'आने वाला हर एक डॉलर एक देनदारी है।'

उन्होंने कहा कि भारत के चालू खाता घाटे को देश की आर्थिक कमजोरी के संकेत के बजाय बचत और निवेश के बीच के अंतर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब चालू खाता घाटा होता है, तो आप पर देनदारी आती है। इसलिए या तो आप अपनी संपत्ति बेच रहे होते हैं... या फिर आप कर्ज ले रहे होते हैं।'

नींद में 'जेंडर गैप'! क्यों महिलाएं सोती हैं कम?

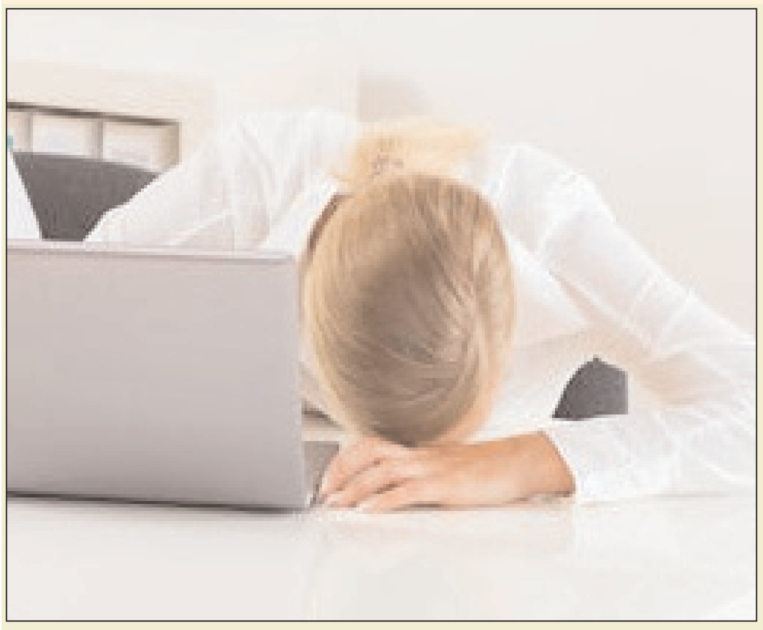

नई दिल्ली। दुनियाभर में किए गए कई अध्ययनों से एक अहम और दिलचस्प तथ्य सामने आया है कि महिलाओं और पुरुषों की नींद में स्पष्ट अंतर है, जिसे 'जेंडर स्लीप गैप' कहा जा रहा है। यह सिर्फ नींद की मात्रा का फर्क नहीं है, बल्कि उसकी गुणवत्ता और उससे जुड़े मानसिक प्रभावों का भी मामला है।

2017 के एक अध्ययन के अनुसार, 45 साल से कम उम्र की केवल 48 फीसदी माताएं ही रोजाना कम से कम 7 घंटे की नींद ले पाती हैं, जबकि बिना बच्चों वाली 62 फीसदी महिलाएं इतनी नींद लेती हैं। इससे यह साफ होता है कि मातृत्व महिलाओं की नींद पर गहरा असर डालता है।

इसी तरह 2025 में 'स्लीप साइकल' की एक वैश्विक रिपोर्ट में पाया गया कि 57 फीसदी महिलाएं औसतन सामान्य मूड के साथ जागती हैं, जो पुरुषों के मुकाबले करीब तीन अंक कम है। यह अंतर भले ही छोटा लगे, लेकिन यह लगातार नींद की कमी और खराब गुणवत्ता की ओर इशारा करता है।

महिलाओं की नींद अक्सर बार-बार टूटती है और उन्हें गहरी नींद कम मिलती है, जिससे शरीर और दिमाग को पूरा आराम नहीं मिल पाता। इसके पीछे एक बड़ा कारण जीवन के अलग-अलग चरणों में होने वाले हार्मोनल बदलाव हैं, जैसे मासिक धर्म, गर्भावस्था और मेनोपॉज, जो नींद के पैटर्न को प्रभावित करते हैं। इसके साथ ही सामाजिक कारण भी उतने ही अहम हैं। परिवार और बच्चों की देखभाल, घर और काम के बीच संतुलन, और लगातार रहने वाला मानसिक दबाव महिलाओं की नींद को और कमजोर कर देता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि महिलाओं का दिमाग दिनभर अधिक मल्टीटास्किंग और भावनात्मक प्रोसेसिंग करता है, जिसके कारण उन्हें रिकवरी के लिए पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत होती है। लेकिन जब यह जरूरत पूरी नहीं होती, तो इसका असर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देता है।

लगातार नींद की कमी से महिलाओं में थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव, हार्मोनल असंतुलन और दिल तथा मेटाबॉलिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में 'जेंडर स्लीप गैप' को समझना और इसे कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है, क्योंकि अच्छी नींद केवल आराम नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य की बुनियाद है।

कम ऑक्सीजन में छिपा है 'नए जीवन' का रहस्य: रिसर्च ने खोला बड़ा राज

नई दिल्ली। जीवन के रहस्य वाकई अद्भुत और अकल्पनीय हैं। ऑक्सीजन हमारे वायुमंडल का बहुत उपयोगी तत्व है। जिंदगी में भी इसका योगदान अभूतपूर्व है। हाल ही में एक रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट छपी जो दावा करती है कि कम ऑक्सीजन में भी नए जीवन का रहस्य छिपा है। आखिर क्या है ये?

दुनिया भर के वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कुछ जीव—जैसे मेंढक या सलामेंडर—अपने कटे हुए अंगों को दोबारा कैसे उगा लेते हैं, जबकि इंसान ऐसा नहीं कर पाते। अब इस पहेली को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित रिसर्च ने इस रहस्य पर नई रोशनी डाली है।

कैन एज्टेकिन के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि अंगों के दोबारा बनने में ऑक्सीजन की बहुत अहम भूमिका रहती है। मेंढक के टैडपोल और एम्ब्रियोनिक चूहों के कटे हुए अंगों की तुलना कर, शोधकर्ताओं ने पाया कि सेल्स जिस तरह से ऑक्सीजन को महसूस करती हैं, उससे यह तय होता है कि दोबारा बनना शुरू हो भी सकता है या नहीं।

इस अध्ययन के मुताबिक, अंगों के दोबारा उगने (रीजेनरेशन) की क्षमता का सीधा संबंध हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के स्तर से है। सरल शब्दों में कहें तो—जहां ऑक्सीजन कम होती है, वहां शरीर में 'नया अंग बनाने' की प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है, जबकि ज्यादा ऑक्सीजन इस प्रक्रिया को रोक देती है। वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में मेंढक के टैडपोल और चूहों के भ्रूण का उपयोग किया। टैडपोल ऐसे जीव हैं जो अपने अंगों को दोबारा विकसित करने में सक्षम होते हैं, जबकि चूहे और उसी तरह इंसान इस क्षमता से वंचित हैं। जब इन जीवों के टिशू (ऊतक) को अलग-अलग ऑक्सीजन स्तर पर रखा गया, तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए।

कम ऑक्सीजन वाले माहौल में कोशिकाएं तेजी से सक्रिय हो गईं और घाव भरने के साथ-साथ नए ऊतक बनाने लगीं। इस प्रक्रिया में एक खास प्रोटीन—एचआईएफ1ए—की महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई। यह प्रोटीन कम ऑक्सीजन की स्थिति में 'स्विच ऑन' होकर शरीर को मरम्मत से आगे बढ़ाकर रीजेनरेशन मोड में ले जाता है। इसके विपरीत, जब ऑक्सीजन का स्तर ज्यादा था, तो कोशिकाएं जल्दी-जल्दी घाव को भरने के लिए 'स्कार' यानी दाग बना देती हैं। यही कारण है कि इंसानों में कटे हुए अंगों की जगह सिर्फ निशान बन जाता है, नया अंग नहीं उगता।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह संकेत देता है कि इंसानों के भीतर भी कहीं न कहीं रीजेनरेशन की क्षमता मौजूद हो सकती है, लेकिन हमारी जैविक प्रणाली उसे सक्रिय नहीं होने देती। यानी समस्या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि उसे 'चालू' करने के तरीके की है। अगर भविष्य में वैज्ञानिक इस ऑक्सीजन-सेंसिंग सिस्टम को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं।

पद्म भूषण विद्यानिवास मिश्र: हजारी प्रसाद-कुबेरनाथ के साथ त्रयी का तीसरा स्तंभ, परंपरा और आधुनिकता के बीच बनाया पुल

नई दिल्ली। हिंदी साहित्य जगत को उस समय एक अपूरणीय क्षति हुई, जब प्रसिद्ध साहित्यकार, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान, भाषाविद् और सफल संपादक पंडित विद्यानिवास मिश्र ने दुनिया को अलविदा कहा। 14 फरवरी 2005 को देवरिया से वाराणसी जाते समय हुई सड़क दुर्घटना में उनका लगभग 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जाना हिंदी के ललित निबंध परंपरा के एक प्रमुख स्तंभ का अंत था, जिसे हजारी प्रसाद द्विवेदी और कुबेरनाथ राय के साथ त्रयी में गिना जाता है।

विद्यानिवास मिश्र का जन्म 28 जनवरी 1926 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के पकड़डीहा गांव में हुआ था। गांव और गोरखपुर में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने वाराणसी में संस्कृत का गहन अध्ययन किया। गोरखपुर विश्वविद्यालय से 1960-61 में पाणिनि की व्याकरण पर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अमेरिका में भी शोध किया। कैलिफोर्निया (बर्कले) विश्वविद्यालय में शोध कार्य किया और 1967-68 में वाशिंगटन विश्वविद्यालय में अध्येता रहे। वहां हिंदी साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान का अध्यापन किया।

उनका व्यावसायिक जीवन विविध रहा। उन्होंने हिंदी साहित्य सम्मेलन, रेडियो, विंध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूचना विभागों में कार्य किया। बाद में वे अध्यापन क्षेत्र में आए। 1968 से 1977 तक वे सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में अध्यापक रहे और बाद में कुलपति भी बने। वे काशी विद्यापीठ के कुलपति और कुलपति मुंशी हिंदी विद्यापीठ, आगरा के निदेशक रहे। सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक महत्वपूर्ण समाचार पत्र के प्रधान संपादक के रूप में था, जहां उन्होंने हिंदी पत्रकारिता को नई ऊंचाई दी।

साहित्यिक योगदान में ललित निबंध उनकी विशेष पहचान है। उनकी कोमल, भावपूर्ण और संस्कृत-समृद्ध भाषा ने निबंध को नई गहराई दी। अगर प्रमुख रचनाओं की बात करें तो उनमें 'अग्निपर्ण', 'अंतराल', 'भारत की संस्कृति', 'संस्कृत और हमारी संस्कृति' आदि प्रमुख रहीं। वे संस्कृत व्याकरण, भाषाविज्ञान और भारतीय संस्कृति पर गहन लेखन करते थे। उनकी लेखनी में लोक और शास्त्र का सुंदर समन्वय दिखता है, जिसमें भोजपुरी की मिठास और संस्कृत की गरिमा एक साथ रहती है। उन्हें 1988 में पद्म श्री और 1999 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वे राज्यसभा के नामित सदस्य रहे। वे भारतीय ज्ञानपीठ के ट्रस्टी बोर्ड सदस्य और मूर्तिदेवी पुरस्कार समिति के अध्यक्ष थे। साहित्य अकादेमी ने उन्हें फेलो बनाया।

2005 में उनका निधन हिंदी साहित्य के लिए बड़ा आघात था। आज भी उनके निबंध पढ़कर लगता है कि वे जीवित हैं।

अमेरिका का एक स्कूल जहां स्टील की वॉटर बॉटल ले जाने पर रोक!

वाशिंगटन। अमेरिका के केंटकी स्थित हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन ने बच्चों को स्टील वॉटर बॉटल न लाने का आदेश सुनाया है। जिला प्रशासन के अनुसार, छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये अहम फैसला लिया है। नए शैक्षणिक सत्र से छात्रों को स्कूल और स्कूल बसों में धातु (स्टील या एल्यूमीनियम) और कांच की पानी की बोतलें लाने की अनुमति नहीं होगी। अब केवल प्लास्टिक के पानी की बोतलें ही परिसर में ले जाई जा सकेंगी।

स्कूल प्रशासन का कहना है कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें छात्रों ने भारी स्टील की पानी की बोतलों का इस्तेमाल दूसरे छात्रों पर हमला करने के लिए किया। कई मामलों में बच्चों के सिर, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। कुछ छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जबकि कुछ को सिर में गंभीर चोट (कंकशन) का सामना करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार, जब स्टील की बोतल पूरी तरह पानी से भरी होती है, तो उसका वजन इतना अधिक हो जाता है कि वह किसी कठोर वस्तु की तरह गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

इन्हीं घटनाओं को देखते हुए स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने सुरक्षा विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया कि संभावित खतरे को पहले ही रोकना बेहतर होगा। प्रशासन का मानना है कि यदि स्कूल परिसर में ऐसी भारी वस्तुएं ही नहीं होंगी, तो हिंसक घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

यह नया नियम 6 अगस्त से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के साथ लागू होगा। हालांकि शुरुआती दिनों में छात्रों और अभिभावकों को नियम समझाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। यदि कोई छात्र गलती से धातु की बोतल लेकर आता है, तो शुरुआत में उसे केवल चेतावनी देकर प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करने को कहा जाएगा।

स्कूल प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध केवल नियमित स्कूल समय और स्कूल बसों के लिए लागू होगा। स्कूल के बाद होने वाली खेल प्रतियोगिताओं, अभ्यास सत्रों और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में खिलाड़ी धातु की पानी की बोतलें इस्तेमाल कर सकेंगे, क्योंकि उन परिस्थितियों में उनकी आवश्यकता अधिक होती है और निगरानी भी अलग ढंग से की जाती है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले पर अभिभावकों की राय बंटी हुई है। कई अभिभावकों का कहना है कि कुछ छात्रों की अनुशासनहीनता के कारण सभी बच्चों पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। उनका तर्क है कि स्टील की बोतलें पर्यावरण के लिए बेहतर होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं, जबकि प्लास्टिक की बोतलों के इस्तेमाल से प्लास्टिक कचरा बढ़ेगा।

वहीं दूसरी ओर, कई अभिभावकों और शिक्षकों ने स्कूल प्रशासन के फैसले का समर्थन किया है। उनका कहना है कि यदि किसी साधारण दिखने वाली वस्तु का इस्तेमाल हिंसा के लिए किया जा सकता है, तो उसे प्रतिबंधित करना बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उचित कदम है। उनका मानना है कि स्कूलों में पढ़ाई का माहौल सुरक्षित रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन का यह निर्णय अब अमेरिका के अन्य स्कूल जिलों का भी ध्यान आकर्षित कर रहा है। माना जा रहा है कि यदि यह नियम प्रभावी साबित होता है, तो दूसरे स्कूल जिले भी इसी तरह के सुरक्षा उपाय अपनाने पर विचार कर सकते हैं।

ऋषि कपूर की बर्थ एनिवर्सरी पर इमोशनल हुआ परिवार, नीतू-ऋद्धिमा ने किया याद

मुंबई। दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की जन्मतिथि 4 सितंबर को है। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्यों और इंडस्ट्री के लोगों ने अभिनेता को याद कर उनके व्यक्तित्व की सराहना की और उन्हें नम आंखों से याद किया।

निर्देशक सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे नीतू और ऋषि कपूर कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। निर्देशक ने ऋषि कपूर को याद कर फिल्म कर्ज से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'साल 2010 में रात के ढाई बजे मेरे फोन की घंटी बजी। मैंने फोन उठाया तो दूसरी तरफ आवाज थी ऋषि कपूर की, वह बोले 'साला, तुम क्या पिक्चर बनाया है!!' मैंने पूछा, 'कौन सी? उन्होंने कहा, 'अरे हमारी कर्ज, अभी फिर देखी। अब तू सो जा।' इसके बाद उन्होंने फोन काट दिया।

सुभाष घई ने आगे लिखा, 'ऐसा सिर्फ ऋषि कपूर ही कर सकते थे। कर्ज 1980 में बनी थी। आज उनके जन्मदिन पर मुझे याद आ रहा है कि वो 1972 से 1999 तक पर्दे पर सबसे चार्मिंग रोमांटिक जेन-जी स्टार हुआ करते थे। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाने शुरू किए और अपने करियर की दूसरी पारी में हर फिल्ममेकर को अपनी वर्सेटिलिटी से हैरान कर दिया।

निर्देशक ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ऋषि कपूर ऐसी सख्सियत थे, जिन्हें उनकी पत्नी नीतू कपूर ही संभाल सकती थीं। निर्देशक ने लिखा, 'नीतू को सलाम है और मुझे ये जोड़ी बहुत पसंद है। हैप्पी बर्थडे चिंटू।'

ऋद्धिमा कपूर साहनी ने भी अपने पिता को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक पापा। आज आपके लिए सितारे थोड़ा और ज्यादा चमकेंगे, मैं आपको हर दिन याद करती हूं।

अभिनेत्री नीतू कपूर ने भी पति ऋषि कपूर को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनकी तस्वीर शेयर कर जन्मदिन की बधाई दी।

स्वाइन फ्लू के लक्षणों को ना करें नजरअंदाज, जानें स्वाइन फ्लू और सामान्य सर्दी में अंतर और कौन से लोग रहें ज्यादा सावधान

मौसम बदलने के साथ बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां आम लग सकती हैं. कई बार लोग इन्हें सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. लेकिन अगर ऐसे लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ने लगें, तो सावधान होना जरूरी है. ये लक्षण स्वाइन फ्लू यानी ॥1ह1 संक्रमण में भी दिखाई दे सकते हैं. ऐसे में घबराने के बजाय सही सावधानी बरतना और डॉक्टर से सलाह लेना ज्यादा जरूरी है. दरअसल इस समय मानसून के बदलते मौसम के कारण स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है. अकेले दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले 3200 के पार पहुंच गए हैं. आइए जानते हैं स्वाइन फ्लू के लक्षण और उपाय...

ऐसी स्थिति में पर्याप्त पानी

अगर बुखार, खांसी, गले में खराश या शरीर में दर्द जैसे लक्षण हैं, तो पर्याप्त आराम करें. शरीर को ठीक होने के लिए आराम की जरूरत होती है. साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी और दूसरे तरल पदार्थ लेते रहें, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे. कमजोरी महसूस होने पर काम या बाहर निकलने की जल्दबाजी ना करें.

दूसरों के संपर्क में आने से बचें

अगर फ्लू जैसे लक्षण हैं तो दूसरों के संपर्क में आने से बचना बेहतर है. जरूरी होने पर मास्क पहनें, खासकर जब घर से बाहर निकलना पड़े या दूसरे लोगों के आसपास रहना हो. घर में बुजुर्ग, छोटे बच्चे या पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोग हों तो उनके करीब जाने में विशेष सावधानी बरतें. इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है.

मास्क लगाकर निकलें

खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को टिश्यू पेपर से ढकें. इस्तेमाल किए गए पेपर को तुरंत कूड़ेदान में डालें. हाथों को बार-बार साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना भी जरूरी है. हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है.

डॉक्टर से सलाह लें

अगर लक्षण बने रहते हैं, ज्यादा बिगड़ते हैं या आपकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लें. खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं या किसी अन्य कारण से

हाई-रिस्क ग्रुप में आने वाले लोगों को फ्लू जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए.

जरूरत के अनुसार जांच या उपचार

बुखार या खांसी देखकर अपनी मर्जी से एंटीबायोटिक, एंटीवायरल या दूसरी दवाएं शुरू ना करें. हर बुखार फ्लू नहीं होता और हर मरीज के लिए एक जैसा इलाज जरूरी नहीं होता. डॉक्टर लक्षणों और जरूरत के अनुसार जांच या उपचार की सलाह दे सकते हैं.

स्वाइन फ्लू के लक्षण

- अचानक तेज बुखार आना
- लगातार खांसी
- गले में खराश या दर्द
- नाक बहना या नाक बंद होना
- शरीर और मांसपेशियों में दर्द
- अत्यधिक थकान और कमजोरी
- सिरदर्द
- ठंड लगना और पसीना आना
- आंखों में दर्द या बेचैनी
- उल्टी और दस्त

स्वाइन फ्लू और सामान्य सर्दी में अंतर कैसे समझें?

सामान्य सर्दी और फ्लू के लक्षण कई बार एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं. लेकिन फ्लू में लक्षण अक्सर अधिक अचानक और ज्यादा तीव्र हो सकते हैं. तेज बुखार, शरीर में दर्द, अत्यधिक थकान और खांसी जैसे लक्षण फ्लू में ज्यादा प्रमुख हो सकते हैं. फिर भी केवल लक्षणों के आधार पर यह निश्चित रूप से कहना संभव नहीं है कि किसी व्यक्ति को ॥1ह1 है या कोई दूसरा श्वसन संक्रमण. डॉक्टर जरूरत के अनुसार जांच की सलाह दे सकते हैं.

फ्लू किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में गंभीर बीमारी का जोखिम अधिक हो सकता है. इनमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और कुछ पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग शामिल हो सकते हैं. ऐसे लोगों में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए.

कौन से लक्षण खतरे की घंटी हैं?

कुछ संकेत ऐसे हैं जिनमें तुरंत चिकित्सा सहायता लेना जरूरी हो सकता है. इनमें सांस लेने में कठिनाई, सांस फूलना, सीने में लगातार दर्द या दबाव, अत्यधिक कमजोरी, भ्रम या असामान्य व्यवहार, बेहोशी, पानी की गंभीर कमी और लक्षणों का तेजी से बिगड़ना शामिल हैं. बच्चों में सांस लेने में परेशानी, होंठ या चेहरा नीला पड़ना, बच्चा बहुत सुस्त होना, पानी ना पी पाना या पेशाब कम होना जैसे संकेत भी गंभीर माने जा सकते हैं. ऐसे मामलों में घर पर इंतजार करने के बजाय तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए.

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल, मेरी भी अपनी पहचान है

विश्व केसरी

मुंबई। पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे।

जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।'

अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।'

आईएएनएस ने अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं।

अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।'

बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

दर्शकों के सिर चढ़ा मिर्जापुर: द मूवी का खुमार, हर किरदार ने किया दमदार अभिनय

विश्व केसरी

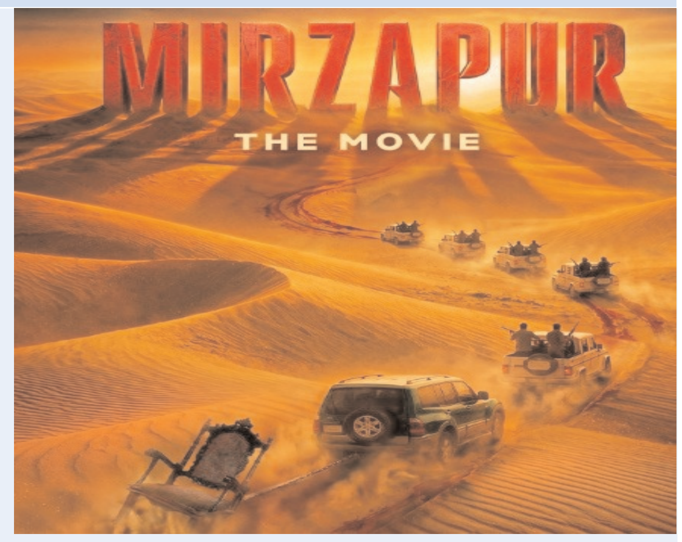

मुंबई। बहुप्रतीक्षित क्राइम एक्शन ड्रामा फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों और सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखने को मिल रहा था, जिसका असर सिनेमाघर के बाहर भी देखने को मिला।

फिल्म देखकर लौटे दर्शकों ने इसे फुल पैसा वसूल बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म के हर कलाकार ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है, जिस वजह से फिल्म देखने में बिल्कुल बोरिंग नहीं लगी।

फिल्म देखने आए एक दर्शक ने कहा, 'फिल्म बहुत अच्छी थी, सभी कलाकारों ने अच्छा काम किया है लेकिन मैं गुड्डु पंडित से ज्यादा कनेक्ट कर पाया हूं। उनकी कॉमेडी टाइमिंग काफी अच्छी थी। सभी कलाकारों ने अपने टाइमिंग और सीन के हिसाब से अच्छा ही काम किया है। सीरीज के मुकाबले फिल्म में आपको एक्शन और कहानी में थोड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा, जिसे देखकर बहुत मजा आएगा। मैं कहूंगा कि सभी को देखनी चाहिए जिन लोगों ने मिर्जापुर सीरीज देखी है उनके लिए तो नया मजा लेकर आई है फिल्म।

फिल्म देखकर लौटे दूसरे दर्शक ने इसे फुल पैसा वसूल बताया। उन्होंने कहा, 'पूरी फिल्म पैसा वसूल है, इसके गाने, किरदार, कहानी और हर कलाकार अच्छा है। फिल्म तो वैसे भी धूम धड़ाके वाली है। देखो, इसमें थोड़ी गालियां हैं लेकिन इतनी तो चलती हैं। सभी कलााकरों ने काम अच्छा किया लेकिन मुझे रवि किशन ज्यादा पसंद आए। उन्होंने फिल्म में विलेन का रोल निभाया है। उन्होंने शुरुआत से लेकर आखिरी तक बेहतरीन काम किया है। यह एक तरह का पैकेज है। जिस हिसाब से ये फिल्म बनी है, तो इसका सेकंड पार्ट जल्द आना चाहिए।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'फिल्म, तो अपने आप में संपूर्ण पैकेज हैं और सभी कलाकारों का कोई मुकाबला ही नहीं है। निर्देशक ने जिसको जितना काम दिया है, उसने उसे बखूबी निभाया है। यह फिल्म धुरंधर से कम नहीं है और दोनों ही फिल्मों का आपस में कोई मुकाबला नहीं है।'

एक अन्य युवा दर्शक ने बताया कि उन्होंने कई दिनों के बाद एक ऐसी फिल्म देखी है, जिसने पूरे टाइम बांधकर रखा है। उन्होंने कहा, 'बहुत समय के बाद कोई रिफ्रेसिंग फिल्म देखी है।

काम और परिवार के बीच संतुलन पर अर्जुन बिजलानी बोले-'परिवार मुझे जमीन से जोड़े रखता है'

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। आईएएनएस से उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की।

अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस से बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए।

आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''

उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'

पंकज त्रिपाठी बर्थडे स्पेशल : जानें एक्टिंग से पहले क्या करते थे अभिनेता, सिर्फ 10 रुपए से मुंबई में कैसे किया गुजारा?

विश्व केसरी

मुंबई। पंकज त्रिपाठी आज हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में शामिल हैं, जिनका नाम किसी फिल्म में जुड़ते ही दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ जाती है। उन्होंने यह मुकाम एक दिन में हासिल नहीं किया। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर मुंबई तक पहुंचने की उनकी कहानी में खेत, थिएटर, होटल की नाइट शिफ्ट और कई सालों का इंतजार शामिल है। आज जिस एक्टर को बड़े-बड़े कलाकारों के साथ काम करते देखा जाता है, कभी वह होटल की रसोई में काम करते थे और दिन में थिएटर किया करते थे।

पंकज त्रिपाठी का जन्म 5 सितंबर 1976 को बिहार के गोपालगंज जिले के बेलसंड गांव में हुआ था। उनके पिता किसान और पुजारी थे। परिवार साधारण था और बचपन भी गांव के माहौल में बीता। वह गांव के नाटकों में हिस्सा लिया करते थे। स्कूल के दिनों में उनके अंदर अभिनय को लेकर दिलचस्पी तब और बढ़ी, जब उन्होंने पटना में एक नाटक देखा। नाटक के एक कलाकार की एक्टिंग ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। इसके बाद वह पटना में होने वाले थिएटर देखने के लिए जाया करते थे।

करीब साल 1996 में पंकज त्रिपाठी ने खुद थिएटर करना शुरू कर दिया। लेकिन अभिनय से घर चलाना आसान नहीं था, इसलिए उन्हें नौकरी भी करनी पड़ी। यहीं से उनकी जिंदगी का वह दौर शुरू हुआ, जब वह रात में होटल की रसोई में काम करते थे और दिन में थिएटर करते थे। उन्होंने करीब दो साल तक नाइट शिफ्ट की। उनकी दिनचर्या काफी मुश्किल थी। रात में होटल में काम करने के बाद वह कुछ घंटे सोते और फिर थिएटर के लिए निकल जाते थे। शाम तक थिएटर करने के बाद फिर रात की नौकरी पर पहुंच जाते थे।

एक इंटरव्यू में पंकज त्रिपाठी ने खुद बताया था कि उस दौर में उनकी कमाई का एक बड़ा सहारा होटल की नौकरी थी। उनके पास महंगे एक्टिंग स्कूल में जाने के लिए पैसे नहीं थे। उनका लक्ष्य नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लेना था। उन्होंने एनएसडी की परीक्षा कई बार दी और आखिरकार 2001 में उनका चयन हुआ। 2004 में एनएसडी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई पहुंचे। यहां भी शुरुआत आसान नहीं थी। वह 16 अक्टूबर 2004 को मुंबई आए थे और उनके पास करीब 46 हजार रुपए थे। लेकिन, कुछ ही समय बाद उनके पास सिर्फ 10 रुपए बचे थे। मुंबई में पंकज ने छोटे-छोटे रोल से शुरुआत की। 'रन', 'अपहरण', 'ओमकारा', 'शौर्य', 'रावण' और 'अग्निपथ' जैसी फिल्मों में उन्हें छोटे किरदार मिले। उन्होंने टीवी पर भी काम किया और कई धारावाहिकों का हिस्सा बने। साल 2012 में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने पंकज त्रिपाठी को बड़ी पहचान दी। उनके अभिनय ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों का ध्यान खींचा।

नीति मोहन ने 'माहिया' को बताया प्यार और अपनापन बयां करने वाला गीत, बोलीं- इसमें सच्चा एहसास है

विश्व केसरी

मुंबई। प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' जल्द आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है।

माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है।

'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है।

इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं।

नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, ''माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है। मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।''

नीति ने आगे कहा, ''इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।''

'द रिवॉल्यूशनरीज' की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और इसमें भारत की आजादी की लड़ाई की उन कहानियों को सामने लाने की कोशिश की गई है, जिनके बारे में कम बात हुई है। यह सीरीज संजीव सान्याल की चर्चित किताब 'रिवॉल्यूशनरीज: द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम' पर आधारित है।

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज, बोलीं- 'ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती'

विश्व केसरी

मुंबई। 'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है।

क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, '''ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।

क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।''

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे।

फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

वेलकम बैक के 11 साल पूरे, अनीस बज्मी बोले- यह फिल्म हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी

विश्व केसरी

मुंबई। निर्देशक अनीस बज्मी की फिल्म 'वेलकम बैक' ने अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अनीस बज्मी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ क्लिप का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'वेलकम बैक ने अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर लिए हैं। कुछ फिल्में आपके सफर का और कुछ दर्शकों की यादों का भी हिस्सा बन जाती हैं।

निर्देशक ने कहा कि वेलकम बैक हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। पिछले सालों में आप सभी ने इस फिल्म को जो प्यार, हंसी और यादें दी हैं, उसके लिए आभारी हूं और हमेशा रहूंगा।

साल 2015 में रिलीज हुई एक्शन कॉमेडी फिल्म 'वेलकम बैक' साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'वेलकम' का सीक्वल है। इसमें अनिल कपूर (मजनू भाई), नाना पाटेकर (उदय शेट्टी), जॉन अब्राहम (अजय / अज्जू), परेश रावल (डॉ. घुंघरू), और श्रुति हासन (रंजना) मुख्य भूमिकाओं में थे। वही, नसीरुद्दीन शाह (डॉन वांटेड), डिंपल कपाडिया (महारानी) सहायक कलाकार के तौर पर नजर आई थीं।

फिल्म की रिलीज से पहले ही इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से जुड़ा था, क्योंकि इसमें एक बेहद अनोखी और बड़ी अंगूठी का प्रदर्शन किया गया था। फिल्म में एक ऐसे रिंग को दिखाया गया था जिसके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज था। फिल्म में एक सीन ऐसा है जहां अनिल कपूर अपने प्यार को एक रिंग गिफ्ट करते हैं।

फिल्म की कहानी सुधर चुके दो पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन उदय शेट्टी और मजनू भाई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अब सम्मानित जीवन जीना चाहते हैं। समस्या तब पैदा होती है।

जब उन्हें पता चलता है कि उदय की एक सौतेली बहन (रंजना) है और उसे एक नए गुंडे (अज्जू भाई) से प्यार हो जाता है। इसके बाद फिल्म में कई हास्य परिस्थितियां और भ्रम की स्थिति बनती हैं।

जापान से रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की शुभकामनाओं का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। राजनाथ सिंह ने अपने जापानी समकक्ष को मित्र कह कर संबोधित किया। साथ ही बताया कि जापानी रक्षा मंत्री का संदेश उन्हें मिला है।

दरअसल जापानी रक्षा मंत्री का यह इस संदेश भारत यात्रा पर आए बेल्जियम के रक्षा और व्यापार मंत्री थिओ फ्रैंकेन साथ लाए थे। बेल्जियम के रक्षा और व्यापार मंत्री थिओ फ्रैंकेन ने भारत में हुई उच्चस्तरीय और अत्यधिक उत्पादक बैठक के दौरान यह संदेश साझा किया। उन्होंने यह संदेश रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से साझा किया। इसके बाद राजनाथ सिंह कहा कि वह अपनी आगामी जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

इससे पहले जापानी रक्षा मंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया था कि वे जापान में बेल्जियम के मंत्री थिओ फ्रैंकेन से मिले थे। तब उन्होंने बेल्जियम के रक्षा मंत्री से राजनाथ सिंह को शुभकामनाएं पहुंचाने का आग्रह किया था। भारत दौरे के दौरान बेल्जियम के रक्षा मंत्री ने जापानी रक्षा मंत्री की यह भावनाएं राजनाथ सिंह तक पहुंचाई। रक्षा मंत्री मंत्रियों के बीच इस अनूठे जुड़ाव को रेखांकित करते हुए दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों पर संतोष व्यक्त किया।

गौरतलब है कि बेल्जियम के रक्षा मंत्री के साथ नई दिल्ली में यह बैठक 3 सितंबर को हुई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ यह एक द्विपक्षीय बैठक की। इस महत्वपूर्ण बैठक में रक्षा संबंधों की व्यापक समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने भारत और बेल्जियम के बीच समग्र रक्षा संबंधों तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं की गहराई से समीक्षा की। बेल्जियम की उन्नत तकनीक को भारत के कार्य-कौशल और रक्षा उद्योगों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत बेल्जियम के रक्षा उद्योग और भारतीय रक्षा निर्माताओं के बीच हथियारों के कलपुर्जे, समुद्री सुरक्षा प्रणालियों और उन्नत सैन्य तकनीकों के संयुक्त उत्पादन व विकास पर जोर दिया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच सामरिक और आर्थिक साझेदारी को नई गति मिल रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रांकेन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की एक महत्वपूर्ण वार्ता की थी। यहां रक्षा औद्योगिक सहयोग के तहत कई समझौता ज्ञापनों और अनुबंधों पर भी हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों का उद्देश्य भारतीय कौशल और क्षमता के साथ बेल्जियम की तकनीक का लाभ उठाना है। इस दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई थी।

नेपाल त्रासदी : एनविडिया के सीईओ ने डोनेट किए 10 मिलियन डॉलर

विश्व केसरी

काठमांडू। अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी एनविडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने नेपाल के प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में 10 मिलियन डॉलर का दान दिया है। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने बताया कि यह सहायता नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए दी गई है।

एक वीडियो संदेश में वाग्ले ने एनविडिया के संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस योगदान की बदौलत प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में कुल दान की राशि 10 अरब नेपाली रुपये (करीब 66 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक हो गई है।

वाग्ले ने कहा, 'नेपाल सरकार की ओर से मैं जेन्सेन हुआंग का प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक करोड़ डॉलर का दान देने पर हार्दिक धन्यवाद करता हूं।'

उन्होंने कहा, 'परोपकार के किसी भी मानक से देखें तो यह एक बड़ा और प्रेरणादायक योगदान है। मुझे उम्मीद है कि इससे और लोग भी इस नेक काम में मदद के लिए आगे आएंगे।'

नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) की ताजा स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 1,259 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि गुरुवार शाम तक 5,053 लोग अब भी लापता हैं।

पिछले सप्ताह आई इस भीषण बाढ़ के बाद से नेपाल को कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग-अलग तरह की सहायता मिल रही है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने गुरुवार शाम सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पड़ोसी भारत पहले दिन से ही कई चरणों में हर जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा, 'अब तक भारत पांच चरणों में 74 टन राहत और बचाव सामग्री भेज चुका है।

संक्षिप्त खबर

जब तक कमर्शियल जहाजों पर हमले जारी रहेंगे, ईरान के साथ बातचीत संभव नहीं : जेडी वेंस

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि जब तक ईरान वाणिज्यिक जहाजों पर हमले बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका उसके साथ कोई बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा और ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने से रोकने के लिए वॉशिंगटन आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक और गुप्त दबाव के उपायों का इस्तेमाल कर सकता है। व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वेंस ने कहा, 'राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि हम उनसे बात नहीं कर रहे हैं और तब तक बात नहीं करेंगे, जब तक वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी बंद नहीं करते।' उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने अभियानों को समाप्त करने के लिए कोई तय समयसीमा नहीं रखेगा, क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में कैसा व्यवहार करता है। वेंस ने कहा, 'हम कोई समयसीमा तय नहीं करेंगे।' उनका कहना था कि जब तक ईरान तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों को धमकाता रहेगा, तब तक किसी समयसीमा का खुलासा करना गैर-जिम्मेदाराना होगा। वेंस ने इस स्थिति को जारी युद्ध बताने वाली बातों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने की सैन्य कार्रवाई अब नहीं हो रही है और फिलहाल अमेरिका का मुख्य उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट के जरिए ऊर्जा आपूर्ति को सुचारु बनाए रखना है।

यमन में सरकारी बलों और हूती विद्रोहियों के बीच भीषण संघर्ष में 25 की मौत

विश्व केसरी

अदन (यमन)। यमन के दक्षिण-पश्चिमी ताइज प्रांत में गुरुवार को सरकारी बलों और हूती विद्रोहियों के बीच भीषण संघर्ष में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सरकारी सैन्य अधिकारी ने दी। सिन्हुआ न्यूज ने अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार बताया कि इस लड़ाई में 15 सरकारी सैनिक और 10 हूती लड़ाके मारे गए। यह संघर्ष सुबह शुरू हुआ, जब हूती लड़ाकों ने मकबाना और अल-कधा गांवों में सरकारी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच तोपखाने, मोर्टार और अन्य भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

अधिकारी ने कहा कि शुरुआत में हूती लड़ाके कुछ क्षेत्रों पर कब्जा करने में सफल रहे, लेकिन बाद में सरकारी बलों को अतिरिक्त सहायता मिलने के बाद जवाबी हमला किया गया और कुछ इलाकों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय निवासियों ने बताया कि संघर्ष तेज होने के बाद कई परिवार सुरक्षित इलाकों की ओर भागने लगे हैं। हूती बलों की बढ़ती गोलाबारी के कारण इलाके में एक बार फिर विस्थापन की स्थिति पैदा हो गई है और लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। जमीनी लड़ाई के साथ-साथ पश्चिमी यमन के कई इलाकों में मिसाइल और ड्रोन हमले भी हुए। सरकारी बलों ने दावा किया कि पिछले कुछ घंटों में हूतियों ने 14 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और ताइज तथा पड़ोसी होदेइदाह प्रांत के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों पर ड्रोन हमले किए।

हिंदू-अमेरिकी नेता बोले- भागवत के वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपे विज्ञापन से जागती है हिंदू गौरव की भावना

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। हिंदू-अमेरिकी नेताओं ने गुरुवार को 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत वाले एक पूरे पेज के पेड विज्ञापन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता के प्रति सम्मान का संदेश देने वाले इस विज्ञापन ने समुदाय को अपनी विरासत पर गर्व महसूस कराया।

यह पेड विज्ञापन अखबार के 3 सितंबर के अंक के पेज ए5 पर छपा था। इसमें भागवत की एक तस्वीर और 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुए 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' में उनके भाषण का एक संदेश शामिल था।

विज्ञापन में भागवत के हवाले से कहा गया, 'हमें अपनी एकता और विविधता का जश्न मनाना चाहिए, उसका सम्मान करना चाहिए और उसे स्वीकार करना चाहिए। भारत की सभ्यतागत सोच 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आधारित है, यानी

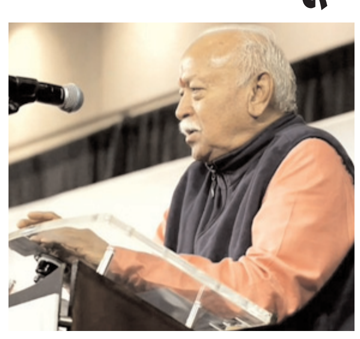

पूरी दुनिया एक परिवार है। भारत इस विविधता का जीता-जागता उदाहरण है।'

विज्ञापन में भागवत को भारत में 'दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन', राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख के तौर पर बताया गया है। इसमें बताया गया कि न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुए 'यूनिवर्सल वननेस' इवेंट में अमेरिका के 39 राज्यों के 853 शहरों से 250 संगठनों के 5,000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पेज पर छपी जानकारी के अनुसार, इस विज्ञापन का खर्च 'आरएसएस फ्रेंड्स' ने उठाया था। जाने-माने कम्युनिटी लीडर और बिजनेसमैन रमेश भूताडा ने कहा कि यह विज्ञापन हिंदू अमेरिकियों के लिए गर्व की बात है।

भूताडा ने कहा, 'वॉल स्ट्रीट जर्नल में पूरे पेज का विज्ञापन देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। यह हिंदू धर्म की असली भावना को दिखाता है और सभी हिंदू अमेरिकियों को अपनी विरासत पर गर्व महसूस कराता है।' एएचईएडी फोरम के डायरेक्टर सुदेश अग्रवाल ने कहा, 'अमेरिका में हिंदू समुदाय ने साफ तौर पर यह दिखाया है कि वे इंसानियत की सामूहिक तरक्की के लिए दूसरे सभी समुदायों के साथ बातचीत और सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बहुत जरूरी है कि हम इस प्रतिबद्धता को असल कामों में बदलें। हम पूरी लगन के साथ ऐसा करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'हम 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने इस संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए इतना प्रतिष्ठित मंच दिया।'

ट्रंप का दावा: ईरान की सैन्य क्षमता बहुत कमजोर, युद्ध जल्द खत्म होगा

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। उनके परमाणु ठिकानों पर नजर रखी जा रही है और होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का नियंत्रण है। जीबी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हम पहले ही जीत चुके हैं क्योंकि अब वे परमाणु हथियार नहीं बना सकते।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस संघर्ष में इसलिए शामिल हुआ क्योंकि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देना चाहता।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका की ओर से तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किए जाने से पहले ईरान परमाणु हथियार बनाने से केवल दो से चार सप्ताह दूर था। उन्होंने कहा कि वे ठिकाने पूरी तरह नष्ट कर दिए गए हैं। राष्ट्रपति ने बताया कि अमेरिका अपनी अंतरिक्ष निगरानी क्षमता का इस्तेमाल करके उन परमाणु स्थलों और 'पिकएक्स माउंटेन' नामक एक अन्य स्थान पर नजर रख रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें पता है कि वहां कौन अंदर जा रहा है और कौन बाहर आ रहा है। अंतरिक्ष से आप किसी व्यक्ति के नाम वाले बैज तक पढ़ सकते हैं। ट्रंप का कहना है कि इन तीन परमाणु स्थलों पर मौजूद सामग्री अब पहाड़ों के लाखों टन मलबे के नीचे दब चुकी है, जिससे उसे निकालना बेहद कठिन होगा। उन्होंने यूरोपीय देशों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार होता, तो उसका खतरा अमेरिका की तुलना में यूरोप के लिए ज्यादा होता। ब्रिटिश पत्रकार बेव टर्नर से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'मैं आपके देश को भी इस खतरे से बचा रहा हूं, क्योंकि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार होता, तो उसके यूरोप के खिलाफ इस्तेमाल होने की संभावना अमेरिका से ज्यादा होती।'

यहूदी नववर्ष पर नेतन्याहू की दुश्मनों को खुली चेतावनी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल की उपलब्धियों का बखान करते हुए विरोधियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं अपने दुश्मनों से कहता हूं, हमसे उलझने की कोशिश मत करो। अगर तुमने कुछ सीखा है, तो हमसे उलझना मत।

नेतन्याहू ने तेल अवीव स्थित किर्या में रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमिर और आईडीएफ जनरल स्टाफ फोरम के सदस्यों के साथ 'रोश हशनाह' (यहूदी नव वर्ष) का जश्न मनाने के दौरान यह बातें कही। नेतन्याहू ने कार्यक्रम की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में साझा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि 'वॉर ऑफ रिडेम्पशन', 'ऑपरेशन रोअरिंग लायन' के बाद के समय में और उससे पहले 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के दौरान जो उपलब्धियां हासिल की गई हैं, वे ऐतिहासिक हैं और हमारे अस्तित्व को सुरक्षित बनाती हैं। नेतन्याहू ने कहा कि हम एक ऐसे शासन से पैदा हुए विनाश के खतरे का सामना कर रहे थे, जो हमें मिटाना चाहता था और हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए परमाणु बम हासिल करना चाहता था। हमने इस खतरे और अन्य खतरों को पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि यह शासन इस समय कमजोर पड़ रहा है। यह पहले से कहीं ज्यादा कमजोर है।

यह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। मुझे हमारे सामने मौजूद मुख्य मिशन पर पूरा भरोसा है। मुझे अपनी क्षमता, हमारे बहादुर सैनिकों, हमारे साहसी पुरुष और महिला पायलटों, नेविगेटरों, हमारी पूरी सुरक्षा व्यवस्था, घरेलू मोर्चे पर काम कर रही टीमों और हमारे मजबूत राष्ट्र की क्षमता पर विश्वास है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने सदस्य देशों से यूएन-80 सुधार पहल को आगे बढ़ाने की अपील की

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सदस्य देशों से आगामी महासभा सत्र के दौरान यूएन-80 पहल के तहत शुरू किए गए सुधारों को और आगे बढ़ाने की अपील की है।

गुटेरेस ने कहा कि हम महासभा के 81वें सत्र की ओर बढ़ रहे हैं। मैं सदस्य देशों से आग्रह करता हूं कि वे केवल यूएन-80 की गति को बनाए न रखें, बल्कि इसे और मजबूत करें। यूएन-80 एक व्यापक सुधार कार्यक्रम है, जिसे गुटेरेस ने मार्च 2025 में संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुरू किया था।

गुटेरेस ने कहा, '80 साल पहले हमारे पूर्वजों ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना इसलिए की थी, क्योंकि वे समझते थे कि एक कठिन दुनिया को ऐसी संस्थाओं की जरूरत होती है जो समय की चुनौतियों का सामना कर सकें। आज यह जिम्मेदारी हमारी है।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र को पहले से ज्यादा मजबूत बनाकर आगे सौंपना है। ऐसा संयुक्त राष्ट्र जो अपने कामकाज में अधिक तालमेल वाला हो, अपने संसाधनों का उपयोग अधिक जिम्मेदारी से करे और अपने वादों को पूरा करने में ज्यादा सक्षम हो। गुटेरेस के अनुसार, यूएन-80 पहल का पहला चरण संभावनाओं की पहचान करने पर केंद्रित था। दूसरा चरण उन संभावनाओं को परखने, उनके लिए प्रमाण जुटाने और आगे की दिशा तय करने का था। उन्होंने बताया कि अब यह पहल तीसरे चरण में प्रवेश कर चुकी है, जिसमें फैसले लेने और उन्हें लागू करने पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूएन-80 की तीन कार्य-धाराओं यूएन सचिवालय में दक्षता, जनादेश कार्यान्वयन की समीक्षा और संरचनात्मक और कार्यक्रम संबंधी पुनर्गठन में आगे बढ़ने की दिशा तेजी से स्पष्ट हो रही है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने यूएन-80 की शुरुआत की थी, तब मैंने 'जिम्मेदारी' की बात की थी। आज मैं फिर उसी शब्द पर लौटता हूं, क्योंकि अंततः यही तय करेगा कि यह पहल सफल होगी या नहीं।'

उन्होंने कहा कि यूएन-80 की असली सफलता का आकलन आने वाले वर्षों में इस आधार पर होगा कि सदस्य देश आज जो फैसले ले रहे हैं, उनसे संयुक्त राष्ट्र के कामकाज में कितना बदलाव आता है।

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्वाड सहयोग की समीक्षा की

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण तकनीकों और आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में चल रहे सहयोग की समीक्षा की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब चार देशों का समूह 'क्वाड' अपने अगले विदेश मंत्रियों की बैठक की तैयारी कर रहा है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार को नई दिल्ली में क्वाड शेरपा बैठक की मेजबानी की। अमेरिका की ओर से दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत तथा भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बैठक में हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व उसके विदेश मंत्रालय की उप सचिव एली लॉसन ने किया, जबकि जापान की ओर से वरिष्ठ उप विदेश मंत्री हिरोयुकी नमाजू शामिल हुए। यह बैठक 26 मई को नई दिल्ली में हुई क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद आयोजित की गई। इसका उद्देश्य उस बैठक में लिए गए फैसलों को आगे बढ़ाना और अगली मंत्रिस्तरीय बैठक की तैयारी करना था।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'शेरपा स्तर के अधिकारियों ने क्वाड की विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा की और व्यावहारिक सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

बीएलए का दावा, बलूचिस्तान में दो ऑपरेशन्स में 25 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूचिस्तान के जियारत और सुराब जिलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हुए दो हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शुक्रवार को ली। इन हमलों में 25 सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलोच ने एक बयान में कहा कि लड़ाकों ने जियारत क्रॉस पर पाकिस्तानी सेना के काफिले की चार गाड़ियों पर घात लगाकर हमला किया। उन्होंने दो गाड़ियों (जिनमें एक मिलिट्री ट्रक भी शामिल था) को नष्ट कर दिया और 18 जवानों को मार गिराया।

'द बलोचिस्तान पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, जीयांद बलोच ने दावा किया कि पांच घायल जवान भाग निकले और काफिले से हथियार जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि

इस हमले में बीएलए का 'फतेह स्क्वाड' भी शामिल था। बीएलए के आधिकारिक मीडिया आउटलेट 'हक्कल' ने एक मिनट 11 सेकंड का वीडियो भी जारी किया, जिसमें जियारत क्रॉस हमले के दृश्य दिखाए गए हैं। फुटेज में हथियारबंद लड़ाके आग की लपटों में घिरी पाकिस्तानी सेना की गाड़ियों के पास खड़े दिखाई दिए। साथ ही, घटनास्थल पर शव और हथियार ले जाते हुए भी देखा जा सकता है। बयान में बताया गया कि सुराब के हाजिका इलाके में एक अलग ऑपरेशन के दौरान बीएलए के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन्स स्क्वाड (एसटीओएस) ने दूर से ही एक विस्फोटक से भरी गाड़ी में धमाका किया, जिससे सेना की एक गाड़ी नष्ट हो गई और सात जवान मारे गए। ये हालिया घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं, जब बलूचिस्तान में बलूच हथियारबंद समूहों द्वारा पाकिस्तानी सेना और पुलिस बलों पर हमले बढ़ गए हैं, जिससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। पिछले महीने, बीएलए ने बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों में पाकिस्तानी बलों के खिलाफ 36 ऑपरेशन्स की जिम्मेदारी ली थी और दावा किया था कि इसमें 33 जवान मारे गए और कई अन्य घायल हुए। ग्रुप ने यह भी कहा कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों की लूट, औपनिवेशिक शोषण वाली परियोजनाओं और पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों के खिलाफ 'आर्थिक नाकेबंदी' की नीति सख्ती से लागू रहेगी। बीएलए ने कहा, 'बलूचिस्तान के मुख्य व्यापारिक रास्तों पर हाईवे जाम करने की कार्रवाई बढ़ाई जाएगी और कब्जा करने वाली सेना के आर्थिक हितों की रक्षा करने वाले सभी वाहनों और परियोजनाओं को निशाना बनाया जाता रहेगा।

रायपुर, द्वारका से नेपाल तक कृष्ण जन्मोत्सव का उत्साह

विश्व केसरी

रायपुर । देशभर में आज भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार सुबह की शुरुआत देश के सभी प्रमुख मंदिरों में मंगला आरती और विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस पावन पर्व पर कान्हा की जन्मभूमि मथुरा और कर्मभूमि द्वारका से लेकर वृंदावन, बद्रीनाथ धाम, दिल्ली और विदेशों तक के कृष्ण मंदिरों में भव्य तैयारियां की गई हैं। सुबह से ही मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा हुआ है।

मथुरा-वृंदावन, द्वारका, बद्रीनाथ और रायपुर, दिल्ली समेत देश के सभी छोटे-बड़े मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक फूलों से सजाया गया है। मंदिरों में सुबह से ही भजन-कीर्तन का दौर जारी है। श्रद्धालुओं को अब मध्यरात्रि की उस खास घड़ी का इंतजार है, जब बाल गोपाल (लड्डू गोपाल) का जन्म होगा और 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंज उठेंगे।

कान्हा की जन्मभूमि मथुरा में सुबह से ही देश और दुनिया भर से आने वाले भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा है। अनुमान जताया जा रहा है कि इस बार जन्माष्टमी पर मथुरा और वृंदावन में 75 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं।

जयपुर और नोएडा के प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए लगी कतारें

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित प्रसिद्ध गोविंद देव जी मंदिर में आज तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। भक्त सुबह से ही लाइन में लगकर भगवान के दर्शन कर रहे हैं। वहीं, नोएडा स्थित इस्कॉन मंदिर में भी मंगला आरती और दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जहां मंदिर परिसर सुबह से ही भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आ रहा है।

उधमपुर में नन्हे बच्चों ने धरा कृष्ण-राधा का रूप, निकाली गई शोभायात्रा

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में जन्माष्टमी से पूर्व सनातन सभा द्वारा एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में सैकड़ों छोटे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी का रूप धारण कर शामिल हुए। शहर भर में भगवान कृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं पर आधारित सुंदर झांकियां निकाली गईं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उमड़े।

नेपाल में बाढ़ की आफत के बीच काठमांडू में दिखा जन्माष्टमी का उत्साह भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बाढ़ के कारण आई प्राकृतिक आपदा के बावजूद काठमांडू में जन्माष्टमी का उत्साह कम नहीं हुआ। प्राकृतिक मुश्किलों के बीच भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु काठमांडू के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने वहां भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

उत्साह, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जा रहा जनमाष्टमी

राजधानी रायपुर में जन्माष्टमी का पर्व अत्यधिक उत्साह, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। पूरा शहर 'जय श्री कृष्णा' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा।प्रमुख मंदिर और दर्शन स्थलइस्कॉन मंदिर (टाटीबंध): यह रायपुर में जन्माष्टमी उत्सव का सबसे प्रमुख केंद्र है। यहाँ 108 पवित्र कलशों से लड्डू गोपाल का महाअभिषेक, निरंतर हरिनाम संकीर्तन, छप्पन भोग और मध्यरात्रि 12 बजे भव्य महाआरती आयोजित की जा रही है।राधा-कृष्ण मंदिर (समता कॉलोनी): यहां विशेष फूल बंगला श्रृंगार, झूलनोत्सव और संगीतमय भजन संध्या का भव्य आयोजन हो रहा है। दूधाधारी मठ (मठपारा): ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मठ में पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाज से बाल गोपाल का पूजन व महाप्रसाद वितरण किया जा रहा है।श्रीनाथजी एवं खाटू श्याम मंदिर: यहाँ भगवान का आकर्षक अलौकिक श्रृंगार किया गया है और भक्तों को विशेष दर्शन प्राप्त हो रहे हैं।

कटगी का दो खिलाड़ियों ने किया नाम रोशन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। 26वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 31 अगस्त से 3 सितंबर दुर्ग में संपन्न हुआ जिसमे शा उ मा शाला कटगी की खिलाड़ी दीप्ती बघेल पिता अंतराम बघेल ने फेंसिंग (तलवार बाजी) में गोल्ड मेडल और माही साहू पिता स्व राजकुमार साहू ने सिल्वर मेडल जीतकर अपने विद्यालय और गांव का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के लिए जिला शिक्षा अधिकारी बलौदा बाज़ार विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कसडोल जिला क्रीड़ा अधिकारी विद्यालय प्राचार्य व परिवार, जनभागीदारी समिति और ग्राम कटगी के समस्त ग्राम वासियों ने दीप्ती और माही को बधाई दी है। शा उ मा शाला कटगी के व्यायाम शिक्षक अलोक मिश्रा को दीप्ती और माही को इस उपलब्धि का श्रेय जाता है उनके मार्गदर्शन में कटगी खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे पड़ता जा रहा है । अविनाश जायसवाल और अन्य ग्राम वासियों ने भी दीप्ती बघेल और माही साहू को बधाई दी है और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जन्मजात मोतियाबिंद का नि:शुल्क सफल उपचार

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गूकोंदल के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित चिरायु योजना सुदूर वनांचल क्षेत्रों के बच्चों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से बच्चों में जन्मजात एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में दो बच्चों में जन्मजात मोतियाबिंद की पहचान कर उनका रायपुर में नि:शुल्क सफल उपचार कराया गया है।

जानकारी के अनुसार चिरायु टीम दुर्गूकोंदल द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसी जांच के दौरान वासु पुडो, उम्र 1 वर्ष, आंगनबाड़ी कोड़े तथा नीरज ध्रुव, उम्र 10 वर्ष, शासकीय प्राथमिक शाला भुरके में जन्मजात मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। चिरायु टीम ने तत्काल दोनों बच्चों को उच्च स्तरीय उपचार के लिए रायपुर रेफर किया।

स्वास्थ्य विभाग की पहल और मार्गदर्शन में दोनों बच्चों का रायपुर स्थित निजी अस्पताल में पूरी तरह नि:शुल्क उपचार कराया गया। आवश्यक जांच एवं उपचार के बाद अब दोनों बच्चे स्वस्थ हैं और उनके स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार हुआ है। समय पर बीमारी की पहचान और उपचार मिलने से बच्चों के परिजनों में भी खुशी का माहौल है।

परिजनों ने बताया कि यदि चिरायु टीम द्वारा गांव और स्कूल स्तर पर नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं की जाती तो बच्चों की बीमारी का समय पर पता लगाना कठिन हो सकता था। उन्होंने कहा कि चिरायु योजना ग्रामीण एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है, क्योंकि इसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए बड़ी राहत मिल रही है।

बच्चों के सफल उपचार के लिए परिजनों ने जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कुंदन कुमार के दिशा-निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामचंद्र ठाकुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रोहित कुमार वर्मा, जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुनील सोनी, जिला सलाहकार डॉ. विनोद वैद्य एवं खंड चिकित्सा अधिकारी दुर्गूकोंदल डॉ. मनोज किशोरे के सफल मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही परिजनों ने चिरायु टीम के डॉ. मुकेश साहू, डॉ. विकास मिश्रा, डॉ. नंदिनी साहू, डॉ. गीता सिदार, जय प्रकाश ध्रुव, लीलाधर एवं बिंदा तुमरेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया।

चिरायु योजना का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात एवं गंभीर बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान कर उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। दुर्गूकोंदल जैसे दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में इस तरह के सफल उपचार से यह संदेश भी जाता है कि नियमित स्वास्थ्य जांच और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेकर बच्चों को समय पर बेहतर उपचार दिलाया जा सकता है।

पेंड्रा डीएमएफ की लाखों की रकम का गबन, पंचायत सचिव निलंबित

विश्व केसरी

पेंड्रा। जिला पंचायत CEO मुकेश रावटे ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत परासी, जनपद मरवाही के तत्कालीन पंचायत सचिव ओंकार सिंह मरावी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

ग्राम पंचायत परासी में जिला खनिज न्यास (DMF) मद से पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण के लिए 40% राशि के रूप में 7 लाख 96 हजार रुपये की प्रथम किस्त जारी की गई थी। राशि आहरित करने के बाद काम पूरा नहीं किया गया।

मूल्यांकन में खुला गड़बड़झाला

उप अभियंता और SDO ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मरवाही के मूल्यांकन में सिर्फ 1 लाख 86 हजार 436 रुपये का ही कार्य होना पाया गया, जबकि 6 लाख 9 हजार 564 रुपये के समतुल्य कार्य मौके पर नहीं मिला।

वसूली में लापरवाही, नोटिस की अनदेखी

इस मामले में पूर्व सरपंच कुसुमलता मरावी और सचिव से 3 लाख 4 हजार 782 रुपये की वसूली शेष है। कार्यालयीन पत्र क्र. 1901 दिनांक 13 अगस्त 2026 से राशि जमा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन 31 अगस्त 2026 तक सचिव ने राशि जमा नहीं की। इसे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना माना गया।

आदेश में कहा गया है कि यह कृत्य छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के नियम 3(1) के विपरीत है। इसलिए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा अनुशासन तथा अपील नियम 1999 के नियम 4 के तहत निलंबित किया गया है।

आवारा कुत्ते का आतंक, एक ही दिन में 13 लोगों को काटा, 3 की हालत नाजुक

विश्व केसरी

बालोद (हाशिम कुरैशी)। बारिश के मौसम में एक बार फिर कुत्तों का आतंक बढ़ने लगा है। बालोद जिले के डौंडीलोहारा नगर में एक आवारा कुत्ते के आतंक से लोगों में दहशत फैल गई है। यहां एक ही आवारा कुत्ते ने नगर के अलग-अलग इलाकों में 13 लोगों को काटकर घायल कर दिया। घायलों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं।

लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक आवारा कुत्ते ने नगर के अलग-अलग स्थानों पर अचानक लोगों पर हमला कर दिया। किसी के पैर तो किसी के हाथ में काटा। घायलों में कुछ डौंडीलोहारा के स्थानीय हैं तो कुछ बाहर से आए हुए लोग भी हैं।

सभी घायल CHC में भर्ती, 3 की हालत गंभीर- कुत्ते के काटने से घायल सभी लोगों को डौंडीलोहारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार जारी है। इनमें से 3 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा है। घटना के बाद नगर में लोग घरों से निकलने में भी सतर्कता बरत रहे>

आवारा कुत्तों की समस्या अब भी बरकरार

एक साथ 13 लोगों को काटने की घटना के बाद नगर में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आवारा कुत्तों की समस्या लगभग सभी स्थानों पर है। डौंडीलोहारा में घटी घटना के बाद स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से आवारा कुत्तों को पकड़ने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

साप्ताहिक बाजारों में बरसाती आम की बहार, 10 रुपये नग बिक रहा आम

दुर्गूकोंदल। आम का सामान्य मौसम बीतने के बाद भी दुर्गूकोंदल क्षेत्र के साप्ताहिक बाजारों में इन दिनों बरसाती आम की मांग देखने को मिल रही है। दुर्गूकोंदल, बरहेली और आमागुहान के साप्ताहिक बाजारों में किसान अपने खेतों में लगे बरसाती आम लेकर पहुंच रहे हैं। बाजार में मौसमी आम की उपलब्धता लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। ग्राम चेमल के किसान रामदास चुरगियां और बैसाखीन चुरगियां अपनी निजी जमीन पर लगे बरसाती आम के पेड़ों से प्राप्त फल को बाजार में बेचकर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे हैं। किसान बरसाती आम को 10 रुपये प्रति नग की दर से बेच रहे हैं। रामदास चुरगियां और बैसाखीन चुरगियां ने बताया कि उनकी निजी जमीन पर बरसाती आम के दो पेड़ हैं। इनमें से एक पेड़ के आम की बिक्री पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे पेड़ पर लगे आम को अब वे क्षेत्र के विभिन्न साप्ताहिक बाजारों में ले जाकर बेच रहे हैं।

मधुबन में भक्त कंवर राम मुक्तिधाम का होगा कायाकल्प

लगातार उठाई गई जनसमस्या के बाद 40 लाख रुपये की लागत से शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। शहर के मधुबन रोड स्थित स्थानीय भक्त कंवर राम मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार और आवश्यक सुविधाओं की मांग को लेकर लंबे समय से उठ रही आवाज आखिरकार रंग लाई है। मुक्तिधाम की बदहाल स्थिति और यहां आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर समय-समय पर समाचारों के माध्यम से जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया जाता रहा। अब इस जनहित के मुद्दे पर ठोस पहल करते हुए लगभग 40 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के शुभारंभ अवसर पर नगर के विधायक अमर अग्रवाल तथा महापौर श्रीमती पूजा विधानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके द्वारा मुक्तिधाम परिसर में प्रस्तावित विकास एवं जीर्णोद्धार कार्यों का शुभारंभ किया गया। जिसके तहत अतिथियों ने आज भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न किया। इस अवसर पर विनोद सोनी,एमआईसी मेंबर बंधु मौर्य व पार्षद रंगा नादम भी उपस्थित थे।

अंतिम यात्रा के सम्मान से जुड़ा है मुक्तिधाम का विकास

मुक्तिधाम केवल एक सार्वजनिक स्थल नहीं, बल्कि मानव जीवन की अंतिम यात्रा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में यहां स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुगम आवागमन, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों द्वारा लंबे समय से भक्त कंवर राम मुक्तिधाम की स्थिति में सुधार और इसके व्यवस्थित विकास की मांग की जा रही थी। मुक्तिधाम की विभिन्न समस्याओं को समाचारों के माध्यम से लगातार प्रमुखता से उठाया गया, ताकि जिम्मेदार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस महत्वपूर्ण जनसुविधा की ओर आकर्षित हो सके।

जनसमस्या को समाचारों के माध्यम से मिली आवाज

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य केवल घटनाओं का विवरण प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों को जिम्मेदारी के साथ समाज और शासन-प्रशासन के समक्ष रखना भी है। इसी उद्देश्य के साथ संवाददाता द्वारा भक्त कंवर राम मुक्तिधाम की आवश्यकताओं, बदहाल व्यवस्था और इसके जीर्णोद्धार की आवश्यकता को समय-समय पर समाचारों के माध्यम से उठाया जाता रहा। स्थानीय नागरिकों की मांग और मीडिया के माध्यम से लगातार उठाई गई आवाज के बाद अब मुक्तिधाम के विकास के लिए 40 लाख रुपये की राशि से कार्य प्रारंभ किया जाना क्षेत्रवासियों के लिए राहत और संतोष का विषय है।

मुक्तिधाम का बदलेगा स्वरूप

जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने के बाद भक्त कंवर राम मुक्तिधाम का स्वरूप अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक होने की उम्मीद है। इससे न केवलद स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील अवसर पर लोगों को आवश्यक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी।क्षेत्रवासियों ने विधायक अमर अग्रवाल और महापौर पूजा विधानी द्वारा मुक्तिधाम के विकास के लिए की गई पहल का स्वागत किया है। नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से उपेक्षित इस महत्वपूर्ण स्थल के विकास से क्षेत्र की एक बड़ी आवश्यकता पूरी होगी।

जनहित की आवाज को मिला परिणाम

भक्त कंवर राम मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ इस बात का भी उदाहरण है कि जनसमस्याओं को निरंतर और जिम्मेदारीपूर्वक उठाया जाए तो सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। समाचारों और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयास से शुरू हुआ यह कार्य अब स्थानीय लोगों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। मधुबन रोड स्थित भक्त कंवर राम मुक्तिधाम में 40 लाख रुपये की लागत से शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य न केवल एक निर्माण परियोजना है, बल्कि स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग और जनहित की आवाज का परिणाम भी है।

केंद्र के मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर जताया गर्व

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन के सफल लॉन्च पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने गर्व जताते हुए देशवासियों को बधाई दी है। नेताओं ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक शानदार उपलब्धि हासिल हुई है।

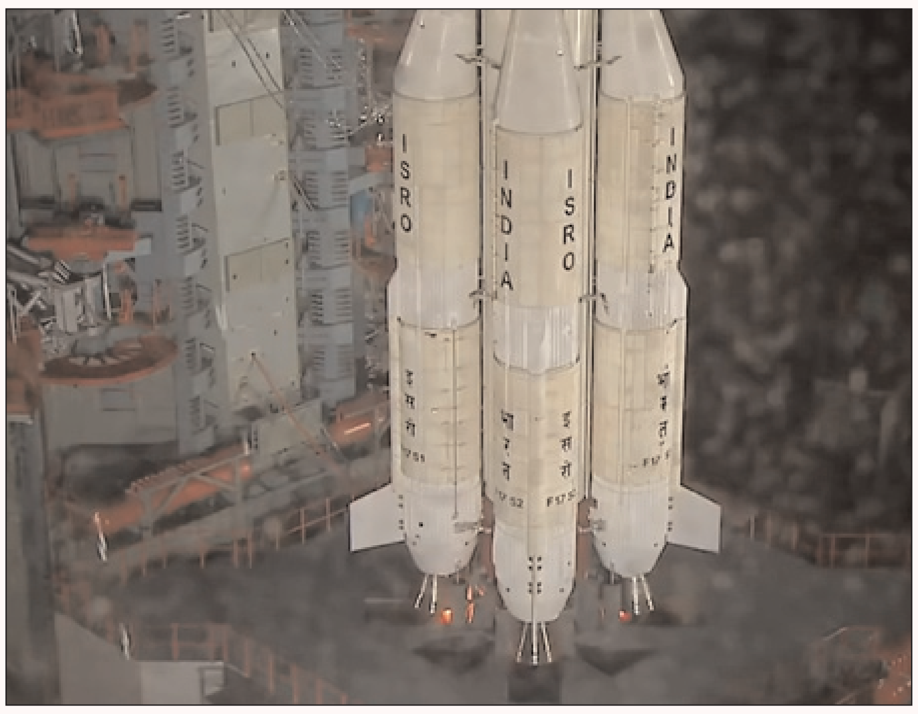

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'ईओएस-05 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और अहम कदम है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के तौर पर, ईओएस-05 हमारी पृथ्वी-निरीक्षण क्षमताओं को मज़बूत करता है और हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती आधुनिकता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत लगातार एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष इकोसिस्टम बना रहा है। इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ती साझेदारी इनोवेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है, स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत कर रही है और हमारी अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए नए रास्ते खोल रही है।'

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा, भारत का अंतरिक्ष अभियान नई ऊंचाइयों पर। जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 के सफल लॉन्च पर इसरो की टीम को बधाई। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, जो विज़िबल, इन्फ्रारेड, मल्टी-स्पेक्ट्रल और हाइपर-स्पेक्ट्रल बैंड में एडवांस्ड इमेजिंग के ज़रिए हमारी पृथ्वी की निगरानी करने की क्षमताओं को काफी बढ़ाएगा। यह उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में विश्व-स्तरीय क्षमताएं विकसित करने की दिशा में भारत की लगातार प्रगति को दर्शाती है। साथ ही, यह उस उद्देश्य और महत्वाकांक्षा को भी दिखाती है जिसके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक और गर्व का पल! जीएसएलवी-एफ17 ने ईओएस-05 को सफलतापूर्वक उसकी तय कक्षा (ऑर्बिट) में स्थापित कर दिया है। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत करने वाली इस शानदार उपलब्धि के लिए हमारे बेहतरीन इसरो वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बहुत-बहुत बधाई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, 'भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक शानदार उपलब्धि! इसरो के जीएसएलवी-एफ17 ने देश के पहले इमेजिंग सैटेलाइट, ईओएस - 05 को सफलतापूर्वक जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित कर दिया है। यह कामयाबी हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिभा, सूझ-बूझ और लगातार बढ़ती क्षमताओं का सबूत है। इसरो और भारतीय इंडस्ट्री के बीच बढ़ता सहयोग हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ताकत और विस्तार दे रहा है, जिससे पूरे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमताएं और मजबूत हो रही हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक्स पर लिखा, 'इसरो का हर लॉन्च हमें गर्व से भर देता है। तकनीक के क्षेत्र में हासिल की गई हर नई कामयाबी भारत की रणनीतिक आजादी को मजबूत करती है। ईओएस-05 को ले जाने वाले सफल जीएसएलवी-एफ17 मिशन के लिए इसरो की टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हर सफल लॉन्च के पीछे एक ऐसी टीम होती है जिसने सालों तक कल्पना करने, डिज़ाइन करने, टेस्टिंग करने, नाकामियों का सामना करने, सीखने और फिर से कोशिश करने में अपना समय लगाया है।

एडोब के नए सीईओ बने अनिल चक्रवर्ती

शांतनु नारायण संभालेंगे एग्जीक्यूटिव चेयरमैन का पद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब ने अपने नए प्रेसिडेंट और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में अनिल चक्रवर्ती को नियुक्त करने का ऐलान किया है। वे शांतनु नारायण की जगह लेंगे।

वर्तमान में अनिल चक्रवर्ती एडोब के कस्टमर एक्सपीरियंस ऑर्केस्ट्रेशन बिजनेस और वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशंस के प्रेसिडेंट हैं। वे 1 दिसंबर 2026 से निदेशक मंडल में भी शामिल होंगे।

वहीं शांतनु नारायण अब एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका में जाएंगे। वे चक्रवर्ती के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि ट्रांजिशन सुचारू रूप से हो सके और एडोब के ट्रांसफॉर्मेशन को सपोर्ट मिल सके। इस नियुक्ति पर शांतनु नारायण ने कहा, एडोब के सामने असीम संभावनाएं हैं, क्योंकि हमारा नए मार्केट कैटेगरी और वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्ट बनाने का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। अनिल एक अनुभवी ट्रांसफॉर्मेशनल लीडर हैं जो मूल्यों, ईमानदारी और बिजनेस की गहरी समझ के साथ नेतृत्व करते हैं। उनका व्यापक ग्राहकों के लिए कैटेगरी-डिफाइनिंग प्रोडक्ट बनाने का सिद्ध रिकॉर्ड रहा है।

उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि एआई के इस युग में एडोब की ग्रोथ के लिए अनिल ही सही व्यक्ति हैं। मैं एग्जीक्यूटिव चेयर के रूप में उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।' नए सीईओ अनिल चक्रवर्ती ने कहा कि वे क्रिएटिविटी, प्रोडक्टिविटी और कस्टमर एक्सपीरियंस के लिए एजेंटिक सॉफ्टवेयर के अगले युग में एडोब के नेतृत्व को बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, 'एडोब का इतिहास भविष्य को बनाने का रहा है, न सिर्फ अपनी टेक्नोलॉजी के जरिए बल्कि अपने लोगों और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता के जरिए भी। शांतनु के असाधारण नेतृत्व में बीते दशकों में एडोब के बिजनेस मॉडल में बदलाव आया है, जिससे हम ग्रोथ के अगले अध्याय के लिए अच्छी स्थिति में हैं।'

बता दें कि अनिल चक्रवर्ती जनवरी 2020 में एडोब से जुड़े थे। तब वे एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और डिजिटल एक्सपीरियंस बिजनेस के जनरल मैनेजर बने थे। सितंबर 2020 में उन्हें वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशंस की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई। दिसंबर 2021 में उन्हें डिजिटल एक्सपीरियंस और वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशंस का प्रेसिडेंट बनाया गया।

इससे पहले अनिल चक्रवर्ती चार साल तक इनफॉर्मैटिका में सीईओ के रूप में काम कर चुके हैं, जो एंटरप्राइज क्लाउड डेटा मैनेजमेंट की एक बड़ी कंपनी है।

अदाणी पोर्ट्स कार्य क्षमता बढ़ाने मुंद्रा में कंटेनर यार्ड का संचालन शुरू करेगी

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने शुक्रवार को कहा कि वह मुंद्रा में एक समर्पित एम्प्टी कंटेनर यार्ड (ईसीवाई) की शुरुआत कर रहा है, जिसमें एकीकृत वेयरहाउसिंग सुविधा भी होगी। यह केंद्र खाली कंटेनरों के पूरे जीवनचक्र के लिए एंड-टू-एंड सेवाएं प्रदान करेगा, जिनमें भंडारण, रखरखाव, निरीक्षण और निर्यातकों तथा कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (सीएफएस) तक निर्बाध आवाजाही शामिल है।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने शुक्रवार को कहा कि वह अपनी 'एंबिशन 2031' रणनीति के तहत मुंद्रा में समर्पित एम्प्टी कंटेनर यार्ड (ईसीवाई) और एकीकृत वेयरहाउसिंग सुविधा शुरू कर रहा है। इसका उद्देश्य कंटेनर प्रबंधन क्षमता बढ़ाना और लॉजिस्टिक्स संचालन को अधिक कुशल बनाना है। भारत के सबसे बड़े एकीकृत परिवहन संचालक

एपीएसईजेड ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में अपने नेटवर्क में 60 लाख टीईयू से अधिक कंटेनर हैंडलिंग क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है, जिसमें मुंद्रा पोर्ट इस विस्तार का प्रमुख केंद्र होगा।

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, 'मुंद्रा में स्थापित किया जा रहा समर्पित एम्प्टी कंटेनर यार्ड, जिसका संचालन एपीएसईजेड और/या उसके साझेदार (सीएफएस तथा शिपिंग लाइनों सहित) करेंगे, कंटेनर इकोसिस्टम में दक्षता बढ़ाएगा। इससे कंटेनरों की टर्नअराउंड टाइम कम होगी, अनावश्यक आवाजाही घटेगी और लॉजिस्टिक्स लागत का बेहतर अनुकूलन हो सकेगा।'

उन्होंने कहा कि व्यापार सुगमता से जुड़ा बुनियादी ढांचा मजबूत करना एपीएसईजेड की प्राथमिकता है, जो भारत की आर्थिक प्रगति और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को समर्थन देने की उसकी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

वित्त वर्ष 2025-26 तक भारत के कंटेनर बाजार में अदाणी पोर्ट्स की हिस्सेदारी 45.5 प्रतिशत है। इनमें अकेले मुंद्रा पोर्ट देश के लगभग 35 प्रतिशत कंटेनर व्यापार को संभालता है, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाह बन गया है। कंपनी के अनुसार, मुंद्रा में हर वर्ष लगभग 16 लाख टीईयू खाली कंटेनरों का प्रबंधन किया जाता है। यह आंकड़ा भारत की आयात-निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

बाराबंकी में पांच मरीज मिलने के बाद स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

विश्व केसरी ■

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में स्वाइन फ्लू के पांच मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। इनमें एक जेल अधिकारी भी शामिल हैं। सभी संक्रमित मरीजों का इलाज लखनऊ में चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। मामले सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

बाराबंकी के डिप्टी सीएमओ डॉ. लव गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्वाइन फ्लू को लेकर पूरी तरह गंभीर है और हर स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं और सभी सीएचसी पर दवाइयां उपलब्ध हैं। जिला अस्पताल में बच्चों के टीकाकरण के लिए भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और सभी जरूरी एडवाइजरी जारी कर दी गई है।'

डॉ. गुप्ता ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, यह सामान्य फ्लू जैसे लक्षण वाला बुखार है जो ठीक हो जाता है। उन्होंने बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि लोग भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, रुमाल और मास्क का इस्तेमाल करें, खास तौर पर जिन लोगों को खांसी या जुकाम हो रहा है, वे विशेष सावधानी बरतें।

उन्होंने जिले में मिले मामलों की जानकारी देते हुए बताया कि बाराबंकी में अभी दो मरीज बिंदौरा और अर्बन बाराबंकी क्षेत्र में मिले हैं, जिनका निरीक्षण किया जा चुका है और उनका उपचार किया जा रहा है। उनकी स्थिति सामान्य है और ज्यादा गंभीर नहीं है, लेकिन उन्हें पूरी निगरानी में रखा गया है।

इसके अलावा दो मरीज हैदरगढ़ और दरियाबाद में मिले हैं, जो लखनऊ में ही रहते थे, उनका भी इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर है। आज एक नया मामला मसौली में सामने आया है, जिसकी टीम जांच कर रही है और उसके आसपास के संपर्क में आए लोगों की भी जांच की जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाः सिडनी में मिला बर्ड फ्लू के खतरनाक एच5एन1 स्ट्रेन का पहला मामला

विश्व केसरी ■

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बर्ड फ्लू के खतरनाक एच5एन1 स्ट्रेन का पहला कन्फर्म केस रिपोर्ट किया गया है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की कृषि मंत्री तारा मोरियार्टी ने पत्रकारों को बताया कि अगस्त के आखिर में सिडनी के नॉर्दर्न बीच में मिले एक 'ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न' (एक तरह का समुद्री पक्षी) में टेस्टिंग के दौरान एच5एन1 स्ट्रेन का पता चला।

जून में इस खतरनाक स्ट्रेन के ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि पर पहुंचने के बाद सिडनी में यह पहला कन्फर्म केस है। मोरियार्टी ने कहा कि जिन सिडनी निवासियों के पास पालतू पक्षी या मुर्गियां हैं, उन्हें जंगली पक्षियों के संपर्क में आने से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और जिनके पास कुत्ते हैं, उन्हें यह निश्चित करना चाहिए कि वे मरे हुए जानवरों के शव न खाएं या जंगली पक्षियों का पीछा न करें।

नॉर्दर्न बीचेस काउंसिल की स्थानीय मेयर, सू हीन्स ने कहा कि यह केस शायद कई केसों में से पहला होगा और इस इलाके को इस खतरनाक स्ट्रेन के संभावित विनाशकारी असर के लिए तैयार रहना चाहिए, जिसने दुनिया भर में लाखों पक्षियों की जान ली है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय सरकार के ताजा डेटा के मुताबिक, बुधवार तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू के 468 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें से 20 मामले एनएसडब्ल्यू में हैं। एनएसडब्ल्यू सरकार ने कहा कि राज्य में कमर्शियल पोल्ट्री झुंडों, कैद में रखे गए पक्षियों या मवेशियों में इसका कोई मामला नहीं मिला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, एच5एन1 कई इन्फ्लूएंजा वायरस में से एक है जो पक्षियों में 'एवियन इन्फ्लूएंजा' (या बर्ड फ्लू) नाम की बहुत तेजी से फैलने वाली सांस की बीमारी का कारण बनता है। इंसानों सहित स्तनधारी जीवों में भी इसके संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं।

एच5एन1 इन्फ्लूएंजा वायरस का संक्रमण इंसानों में कई तरह की बीमारियां पैदा कर सकता है, जो हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकती हैं और कुछ मामलों में यह जानलेवा भी हो सकता है।

शिकायतों के बाद एक्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग, बेंगलुरु क्लब और ब्लिंकिट सुविधा केंद्र का किया निरीक्षण

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। फूड सेफ्टी को लेकर शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने पिछले 24 घंटों में बेंगलुरु के एक क्लब और मेंगलुरु में एक ऑनलाइन ग्रॉसरी रिटेल फैसिलिटी पर छापेमारी की है। इस दौरान एक्सपायर्ड फूड प्रोडक्ट्स जब्त किए गए और स्टोरेज एरिया को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया।

बेंगलुरु में अधिकारियों ने 3 सितंबर को डॉलर्स कॉलोनी के पास सहकारनगर स्थित चेयरमैन्स क्लब में स्पेशल इंस्पेक्शन किया। जांच में कई गड़बड़ियां मिलीं। क्लब में 40 किलो एक्सपायर्ड मिर्च और बिना सही लेबल वाले फूड प्रोडक्ट्स पाए गए।

अधिकारियों को किचन में अनधिकृत आर्टिफिशियल कलर भी मिले और किचन की हालत बेहद अस्वच्छ पाई गई। साथ ही वेज और नॉन-वेज फूड प्रोडक्ट्स को एक साथ स्टोर किया जा रहा था, जिससे फूड सेफ्टी और हाइजीन को लेकर गंभीर चिंता पैदा हुई।

एक्सपायर्ड प्रोडक्ट्स को जब्त कर लिया गया और क्लब की किचन को बंद कर सील कर दिया गया। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं मेंगलुरु में फूड सेफ्टी अधिकारियों ने फलनीर स्क्वायर में चल रही ब्लिंकिट की ऑनलाइन रिटेल फैसिलिटी का निरीक्षण किया। यह कार्रवाई एक उपभोक्ता की शिकायत के बाद की गई, जिसमें कहा गया था कि प्लेटफॉर्म से खरीदे गए अंडे टूटे हुए थे और एक अंडे के अंदर कथित तौर पर कीड़ा मिला था। शिकायत स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर को सौंपी गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने फैसिलिटी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अधिकारियों को वहां टूटे हुए अंडों वाले पैकेट मिले। संबंधित कर्मचारियों को तुरंत उन प्रभावित अंडों के पैकेट को हटाने और नष्ट करने का निर्देश दिया गया।

कांगो में इबोला प्रकोप अभी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं : अफ्रीका सीडीसी

विश्व केसरी ■

किंशासा। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने गुरुवार को कहा कि हाल के हफ्तों में हालात कुछ स्थिर होते दिख रहे हैं, लेकिन अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में फैला इबोला प्रकोप पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अफ्रीका सीडीसी के अधिकारी वेसम मंकौला ने एक ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम पूरे प्रकोप को नियंत्रित करने में सफल हो गए हैं। गुरुवार को जारी सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 1 सितंबर तक डीआरसी में 6,250 कन्फर्म मामले और 3,039 मौतें दर्ज की गई थीं, और मृत्यु दर 48.6 प्रतिशत थी। कुल 1,439 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस प्रकोप ने छह प्रांतों के 60 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

चार स्वास्थ्य क्षेत्रों में 42 दिनों से अधिक समय तक कोई नया मामला सामने नहीं आने के बाद संक्रमण रुक गया है, जबकि अन्य पांच क्षेत्रों में 21 से 42 दिनों तक कोई नया मामला नहीं आया है। हालांकि, मंकौला ने कहा कि 51 स्वास्थ्य क्षेत्रों में संक्रमण अभी भी सक्रिय है।

मंकौला ने कहा, 'पिछले दो हफ्तों में मामलों की संख्या में कमी जरूर दिखाई दे रही है, लेकिन अभी यह कहना बहुत जल्दी होगा कि यह गिरावट लगातार बनी रहेगी। अफ्रीका सीडीसी ने चिंता जताई कि पिछले सात दिनों में दर्ज हुई मौतों में 60 प्रतिशत से अधिक मौतें समुदायों के भीतर हुई हैं ।

भारत की अंडर-18 रग्बी टीम घोषित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। चीन के चिंगदाओ में होने वाले एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-18 सेवेन्स 2026 इवेंट के लिए भारत के लड़के और लड़कियों की टीम की घोषणा कर दी गई है। भारतीय टीम एशिया के लीडिंग सेवेन्स देशों से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। 26 जुलाई को ओडिशा के भुवनेश्वर में केआईआईटी में शुरू हुए एक कड़े नेशनल कोचिंग कैंप के बाद टीमों को फाइनल किया गया।

चैंपियनशिप में लड़कों और लड़कियों की श्रेणी में 17 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें लड़कों की श्रेणी में नौ और लड़कियों की श्रेणी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी।

भारत की अंडर-18 लड़कों को पिछले साल के फाइनलिस्ट हांगकांग चीन, साथ ही मलेशिया और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

टूर्नामेंट से पहले, हेड कोच ग्रे कॉर्नेलियस ने कहा, 'लड़कों ने पिछले कुछ सप्ताह में बहुत मेहनत की है। कैंप में बहुत अच्छी प्रतिबद्धता दिखी है। वे भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी को समझते हैं। हम उन्हें चीन में मेहनत करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। इंडिया अंडर-18 गर्ल्स ग्रुप डी में हांगकांग चाइना, यूएई और मलेशिया के साथ मुकाबला करेंगी। टीम पिछले साल के चौथे स्थान से बेहतर करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम तीसरे स्थान के प्लेऑफ में हांगकांग चाइना से हारने के बाद पोडियम पर जगह बनाने से चूक गई थी।

हेड कोच कियानो फोरी ने कहा, 'यह ग्रुप कैंप के दौरान बहुत अच्छे से एक साथ आया है। हमने कनेक्शन, भरोसे और बेहतर फैसले लेने पर ध्यान दिया है, और तैयारी के दौरान लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हमें विश्वास है कि वे पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, 'ये वो खिलाड़ी हैं जो आने वाले सालों में सीनियर स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-18 सेवंस चैंपियनशिप उनके लिए खुद को चैलेंज करने, देश के लिए सब कुछ देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती अनुभव हासिल करने का एक जरूरी मौका है। मुझे भरोसा है कि हमारी दोनों टीमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और देश को गर्व महसूस कराएंगी।

फैंस एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-18 सेवंस 2026 का हर मैच एशिया रग्बी के यूट्यूब चैनल और रग्बीपास टीवी पर लाइव देखा जा सकता है।

भारतीय पुरुष टीम का शेड्यूल: 5 सितंबर भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 से मलेशिया के साथ, सुबह 10:15 से हांगकांग चाइना के साथ, दोपहर 1:10 बजे श्रीलंका के साथ। भारतीय महिला टीम का शेड्यूल: 5 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे से मलेशिया से, दोपहर 12:20 से यूएई से, शाम 4:05 मिनट से हांगकांग चाइना के खिलाफ होगा।

6 सितंबर: नॉकआउट और क्लासिफिकेशन स्टेज।

पुरुष टीम: रोहित कुमार (कप्तान), अजीत नाग (उपकप्तान), अरुण, बजरंगी कुमार, ईश्वर पुजारी, पंकज सांसी, पवन राज, प्रणव गावित, प्रियांशु मिश्रा, राहुल माझी, रितेश पोवार, शुभम कुमार।

महिला टीम: सलोनी कुमारी (कप्तान), अनीता मुर्मू (उपकप्तान), अदिति लोंधे, आरती कुमारी, ब्यूटी कुमारी, दीपाली ताठे, खमेस्वरी माझी, कीर्ति जाधव, नम्रता भुड़िया, सिमरन परवीन, सुमित्रा मुर्मू, सुशीला।

उम्र विवाद में रोहित यादव पर 2 साल का बैन

एजेंसी ■

नई दिल्ली। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है।

यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है।

शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे। इसके अलावा, बंगाल के लिए तीन फर्स्ट-क्लास और दो लिस्ट-ए मैच खेल चुके स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर विशाल भट्टी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोपों के आधार पर कार्रवाई की गई है।

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन पर दी बधाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार। वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं।

युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा। अभिषेक शर्मा टी20 में भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं और पारी की शुरुआत करते हैं। युवराज सिंह की तरह ही बाएं हाथ से विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक 56 टी20 मैचों की 54 पारियों में 2 शतक और 11 अर्धशतक लगाते हुए 1629 रन बना चुके हैं।

चाइना मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत का सफर खत्म, हांगकांग के ली चेउक यियू से हारे

विश्व केसरी ■

शेन्जेन । भारतीय स्टार किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स में सफर समाप्त हो गया। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के ली चेउक यियू से हार के साथ ही श्रीकांत टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

श्रीकांत को शेन्जेन एरिना में ली के हाथों 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत का तीन साल में यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊपर के इवेंट में पहला क्वार्टर फाइनल था। श्रीकांत के बाहर होने के साथ ही भारत के पदक जीतने की एक और उम्मीद कहीं न कहीं टूट गई।

ली के खिलाफ श्रीकांत की यह चौथी लगातार हार थी। भारतीय खिलाड़ी 2018 इंडिया ओपन के पहले राउंड में ली के खिलाफ एकमात्र जीत हासिल कर सके हैं। प्री-क्वार्टर में, श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर हैरान कर दिया था। उन्होंने पहले राउंड में चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 21 ची यू-जेन को सिर्फ 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था।

बाद में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जो 750 इवेंट में अकेली भारतीय चुनौती बची हैं, सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से भिड़ेंगी।

भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव को 21-17, 22-24, 21-9 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

इसके पहले, बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का महिला एकल अभियान गुरुवार को तन्वी शर्मा के जापान की टोमोका मियाजाकी से 21-17, 18-21, 21-16 से हारने के बाद खत्म हो गया। भारत की मिश्रित डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो चीनी को ताइपे के लियू कुआंग-हेंग और सू यिन-हुई से दूसरा राउंड मैच में 21-18, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा था।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा, खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा।

बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक

31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

जब आप कड़ी मेहनत करते हैं, तो अच्छी चीजें होती हैं, :इजी वोंग

विश्व केसरी ■

डर्बी। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज इजी वोंग ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार गेंदबाजी करते हुए पहली बार पांच विकेट लेने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। वोंग का मानना है कि यह उनके अब तक के छोटे अंतरराष्ट्रीय करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा और इससे उन्हें आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा मिला है।

वोंग ने गुरुवार को डर्बी के काउंटी ग्राउंड पर 33 रन देकर 5 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। 24 साल की वोंग के लिए यह प्रदर्शन उनके इंटरनेशनल करियर की मुश्किल शुरुआत के बाद एक अहम पड़ाव था। वोंग ने 2022 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें मौकों के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। गुरुवार को उन्होंने अपने वनडे करियर का महज छठा मैच खेला।

अपने इस शानदार प्रदर्शन पर बात करते हुए वोंग ने कहा कि पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत अब रंग ला रही है। वोंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सफर काफी छोटा रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे बहुत कुछ हुआ है और काफी मेहनत की गई है, इसलिए यह वाकई बहुत अच्छा है। मुझे लगता है कि मैंने काफी तरक्की की है और मैंने बहुत मेहनत की है। मुझे लगता है कि जब आप कड़ी मेहनत करते हैं, तो अच्छी चीजें होती हैं।

वोंग ने यह भी माना कि इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना और मैच जिताने वाला प्रदर्शन करना इस मौके को और भी खास बनाता है। उन्होंने कहा, 'जब भी आपको इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो यह वाकई गर्व की बात होती है, और जब भी आप क्रिकेट मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भी गर्व महसूस होता है। इसी वजह से अगर मैं सच कहूं तो अपने इंटरनेशनल करियर में शायद पहली बार इन दोनों चीजों का एक साथ होना वाकई बहुत शानदार है।

लॉरेन बेल की गैरमौजूदगी के चलते वोंग को इस सीरीज में ज्यादा मौके मिले हैं। वहीं, इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट भी पिंडली की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रही हैं। हालांकि, वोंग ने अपनी हालिया तरक्की में अहम भूमिका निभाने के लिए लॉरेन बेल को श्रेय दिया। ये दोनों तेज गेंदबाज हाल ही में 'द हंड्रेड' में सदर्न ब्रेव के लिए एक साथ खेलती हुई नजर आई थीं, जबकि वोंग ने लॉरेन फिलर और रियाना मैकडोनाल्ड के साथ भी मिलकर काम किया है। वोंग ने कहा, 'ऐसा लगता है कि हमने अलग-अलग जगहों पर साथ में काफी काम किया है, और बाहर जाकर यह दिखाना हमारे लिए बहुत अच्छा रहा है कि हम कितना आगे आ गए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लॉरेन बेल ने अपनी जानकारी दूसरों तक पहुंचाने में बहुत अच्छा काम किया है। जाहिर है कि उन्होंने हम तीनों से कहीं ज्यादा मैच खेले हैं, और मेरे और फिलर के लिए इंटरनेशनल समर में उनके साथ बहुत करीब से काम करना वाकई अच्छा रहा; ऐसा लगता है कि हम तीनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह जान गए हैं।

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है।

ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे।

सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम

किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, 'मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा, गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415